सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" समय और गुरु दोनों हमारे शिक्षक हैं, अंतर केवल इतना है,
गुरु सिखाकर परीक्षा लेते हैं,
और समय परीक्षा लेकर सिखाता है ...!! "
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-117 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 17 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

न्यूयॉर्क के 'मेट गाला' की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में दिखा भारतीय परिधान का जलव

'संसार का सर्वश्रेष्ठ परिधान है साड़ी' : भिलाई में स्वयंसिद्धा का 'साड़ी गाला' कार्यक्रम संपन्न, 50 से अधिक महिलाओं ने लिया हिस्सा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

एक तरफ न्यूयॉर्क में दुनिया का सबसे बड़ा फैशन इवेंट 'मेट गाला' चल रहा है। वहीं इस्पात नगरी भिलाई में भारतीय परिधान साड़ी को प्रमोट करने 'साड़ी गाला' का आयोजन हुआ। स्वयंसिद्धा- 'ए मिशन विद ए विजन' संस्था की ऑनलाइन 'समर क्वीन' प्रतियोगिता में 50 से अधिक महिलाओं ने सूती, लिनन, ढाकाई, सिल्क, भागलपुरी, बेगमपुरी, कोटा डोरिया, तांत, संबलपुरी, आर्गेंजा और मलमल जैसी साड़ियों में फोटोशूट कराया।

गर्मी में घरेलू अंदाज में फोटोशूट

इस भीषण गर्मी में महिलाएं भारत के विभिन्न प्रदेशों की साड़ियां पहनकर नारियल पानी, नींबू पानी, कच्चे आम के साथ पेड़ की छांव में नजर आईं। किसी ने छाछ पीते हुए, किसी ने बगीचे की देखभाल करते हुए, अचार डालते हुए, चिड़ियों को दाना-पानी देते हुए और बोरे बासी खाते हुए तस्वीरें खिंचवाईं। महिलाओं ने परिवार के सदस्यों की मदद से गृहस्थ जीवन के पलों को कैमरे में कैद किया।

हथकरघा और बुनकरों को बढ़ावा

संस्था की डायरेक्टर डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने बताया कि वे 20 साल से साड़ी प्रमोशन का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में हजारों तरह की साड़ियां हैं जिन्हें सैकड़ों तरीकों से पहना जा सकता है। यह विश्व का सबसे बेहतरीन परिधान है जो बिना सिलाई के बनता है। हर प्रदेश की बुनाई में अलग छाप होती है। साड़ी का प्रमोशन हथकरघा और बुनकर भाइयों के लिए जरूरी है।

निर्णायक मंडल और विजेता

प्रतियोगिता की निर्णायक महिला उद्यमी विनीता गुप्ता, शिक्षाविद तूहीनकणा भट्टाचार्य और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. सुचित्रा शर्मा थीं। सुचित्रा शर्मा ने कहा कि स्वयंसिद्धा मध्य वयसी महिलाओं को डिप्रेशन से निकालने में सफल रही है। विनीता गुप्ता ने कहा कि साड़ी को प्रमोट करना देश के विकास की दिशा में सार्थक कदम है।

प्रतियोगिता के परिणाम

प्रथमः संगीता जायसवाल रहीं वहीं द्वितीयः अनीता पाण्डेय, पुनिता कौशल और तृतीयः प्रियंका सिंह, श्रुति तिवारी विशेष वर्ग में विजेताः मोस्ट क्रिएटिव- यामिनी ताम्रकार, यूनिक साड़ी ड्रैपिंग- रुमा दे, परफेक्ट थीम विथ मैसेज- आरती तिवारी, समर वाइब्स- शीला प्रकाश, मोस्ट स्मार्ट- माधुरी बिजोरिया, मोस्ट स्टाइलिश- अनीता चक्रवर्ती, ब्यूटीफुल साड़ी- डॉ. पूर्णिमा लाल। इसके अलावा बेस्ट ट्रेडिशनल लुक, मोस्ट गॉर्जियस, पिक्चर परफेक्ट, बेस्ट फोटोग्राफी सहित कई वर्गों में पुरस्कार दिए गए। जूरी अवार्ड राजकुमारी कनोजे, रुखसाना शेख और शशि किरण को मिला।

दुर्ग में दिव्यांग महिला की हत्या चौकी से 100 मीटर दूर मिला शव

पुलिस ने बेटे को हिरासत में लिया, मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा आरोपी

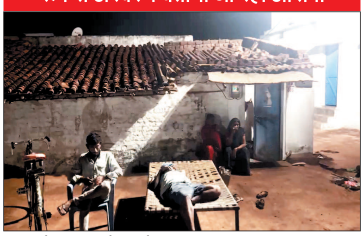

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

दुर्ग जिले के जेवरा चौकी क्षेत्र में शनिवार देर रात दिव्यांग महिला की हत्या से सनसनी फैल गई। वारदात पुलिस चौकी से महज 100 मीटर की दूरी पर हुई। मृतका की पहचान 40 वर्षीय सरस्वती पटेल के रूप में हुई है। पुलिस ने शक के आधार पर मृतका के बेटे अश्वनी पटेल को हिरासत में लिया है।

बेटे के साथ रहती थी मृतका

जेवरा सिरसा चौकी प्रभारी उप निरीक्षक खगेन पठारे ने बताया कि सरस्वती पटेल शारीरिक रूप से अपंग थीं और अपने बेटे अश्विनी पटेल के साथ रहती थीं। अश्वनी मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। सरस्वती का शव संदिग्ध अवस्था में मिला।

पुलिस जांच में जुटी

पुलिस को आशंका है कि हत्या बेटे ने ही की है। फिलहाल हर एंगल से जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

प्रधानमंत्री की अपील पर छत्तीसगढ़ में मितव्ययिता के सख्त निर्देश लागू

कारकेड में सीमित वाहन, विदेश यात्रा पर रोक, वर्चुअल बैठकें अनिवार्य : 30 सितंबर तक आदेश प्रभावी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद राज्य शासन ने वित्तीय संसाधनों के कुशल प्रबंधन और सार्वजनिक व्यय में अनुशासन के लिए मितव्ययिता के कड़े उपाय तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए हैं। वित्त विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव द्वारा 15 मई को जारी आदेश में 8 प्रमुख बिंदुओं पर खर्च घटाने के निर्देश दिए गए हैं। यह आदेश 30 सितंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा।

कारकेड और वाहनों पर लगाम

मुख्यमंत्री, मंत्रीगण और सभी निगम-मंडल-आयोग के पदाधिकारियों के कारकेड में केवल अत्यावश्यक वाहनों का ही उपयोग होगा। अन्य शासकीय संसाधनों का भी संयमित उपयोग करना होगा। शासकीय वाहनों के पेट्रोल-डीजल खर्च को न्यूनतम रखने के निर्देश हैं। एक ही गंतव्य पर जाने वाले अधिकारियों के लिए वाहन पूलिंग व्यवस्था लागू की जाएगी।

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा

राज्य के सभी शासकीय वाहनों को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने की कार्रवाई शुरू करने को कहा गया है।

विदेश यात्रा पर पूर्ण प्रतिबंध

अत्यंत अपरिहार्य परिस्थिति को छोड़कर शासकीय खर्च पर विदेश यात्राओं पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। अनिवार्य होने पर मुख्यमंत्री का पूर्व अनुमोदन जरूरी होगा।

ऑनलाइन बैठकों पर जोर

भौतिक बैठकें माह में अधिकतम एक बार ही होंगी। विभागों की नियमित समीक्षा बैठकें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से करना अनिवार्य किया गया है। बैठकों में प्रिंटेड पेपर-बुकलेट्स की जगह .पीडीएफ या .पीपीटी जैसी इलेक्ट्रॉनिक फाइलें इस्तेमाल होंगी।

ऊर्जा और कागज की बचत

कार्यालय समय के बाद सभी लाइट, पंखे, एसी और कंप्यूटर बंद करना अनिवार्य किया गया है। शासकीय भवनों में ऊर्जा की बर्बादी रोकने के उपाय करने होंगे। पत्राचार और नस्तियों का संचालन ई-ऑफिस से होगा ताकि कागज और स्टेशनरी का खर्च घटे।

भौतिक प्रशिक्षण के बजाय ऑनलाइन कोर्स

भौतिक प्रशिक्षण के स्थान पर iGOT कर्मयोगी पोर्टल का अधिकतम उपयोग करने को कहा गया है। सभी विभाग अपने कोर्सेस पोर्टल पर अपडेट करेंगे।

आदेश में कहा गया है कि इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। आदेश की प्रति राज्यपाल सचिवालय, विधानसभा, मुख्यमंत्री सचिवालय, हाईकोर्ट, लोक सेवा आयोग सहित सभी विभागों को भेजी गई है। वित्त सचिव डॉ. रोहित यादव ने 16 मई को इसे डिजिटल हस्ताक्षरित कर जारी किया।

पुलिस का एक्शन : गोवा में छापा, ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा नेटवर्क के 6 संचालक गिरफ्तार

"मन्नू नथानी" गैंग से जुड़े तार, करोड़ों के हवाला लेनदेन का खुलासा, 10 मोबाइल जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

रायगढ़ पुलिस ने मध्य भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए गोवा के कैंडोलिम बीच स्थित किराए के विला में छापा मारकर छह बड़े सट्टा संचालकों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी शशि मोहन सिंह के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में अमित मित्तल, मोहित सोमानी, प्रकाश वाधवानी, आकाश मोटवानी, राहुल खंडेलवाल उर्फ बाबू और सुलभ खंडेलवाल उर्फ छोटा बाबू को पकड़ा गया। आरोपियों के पास से 10 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

गोवा तक फैला था नेटवर्क : थाना कोतवाली में दर्ज अपराध क्रमांक 217/2026 एवं 218/2026 की जांच में हवाला लेनदेन और खरसिया निवासी अमित मित्तल के नेटवर्क के इनपुट मिले थे। तकनीकी निगरानी में पता चला कि आरोपी रायगढ़, रायपुर, सक्ती और खरसिया से जुड़े नेटवर्क के साथ हैदराबाद, मुंबई होते हुए गोवा में सक्रिय थे।

सीएसपी मयंक मिश्रा और डीएसपी उत्तम प्रताप सिंह के नेतृत्व में साइबर थाना की टीम ने गोवा में रेड की। पुलिस को देख आरोपी फरार होने की तैयारी में थे और कॉलिंग फोन, लैपटॉप व हिसाब-किताब की डायरी नष्ट करने की कोशिश कर रहे थे।

तीन तरीके से चलता था सट्टा

1. **अभिनंदन बुक/लाइनः** रायपुर से क्रिकेट सेशन का भाव लेकर अढङ बेस्ड ॅङ्के अस्रस्र से खाईवालों तक भाव भेजते थे।
2. **APK TV ऐप का इस्तेमालः** प्रगति टीवी/स्टार लाइव जैसे ऐप से 7 सेकंड पहले मैच देखकर कॉलिंग ऐप से खाईवालों को भाव बताते थे।
3. **बेटिंग ऐपः** महादेव सट्टा की तर्ज पर All Panel Exchange, Taj 777, Diamond Exchange जैसी ऐप से जुआ खेलाते थे।

मन्नू नथानी गैंग से जुड़ाव, करोड़ों का हवाला : जांच में सामने आया कि आरोपी मध्य भारत के चर्चित सट्टा नेटवर्क संचालक "मन्नू नथानी" गिरोह से जुड़े थे। ये दुबई से बेटिंग आईडी लेकर नागपुर, रायपुर में सप्लाई करते थे और 10% तक कमीशन कमाते थे। एक आईपीएल सीजन में करोड़ों रुपये के लेनदेन के सुराग मिले हैं।

सभी आरोपी पुराने सटोरिए

गिरफ्तार मोहित सोमानी इस गैंग का लीडर बताया गया है। अमित मित्तल पर खरसिया, रायगढ़ और घरघोड़ा में सट्टा के मामले दर्ज हैं। सभी आरोपी मन्नू नथानी गैंग से जुड़कर एजेंट बने और बाद में बड़ा नेटवर्क खड़ा कर लिया।

एसएसपी का बयान

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा, "मध्य भारत के सट्टा नेटवर्क पर रायगढ़ पुलिस का निर्णायक प्रहार है। ऑनलाइन सट्टा माफिया के पूरे नेटवर्क को जड़ से खत्म करना हमारा लक्ष्य है। तकनीक आधारित अपराधियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।"

गिरफ्तार आरोपी

1. अमित मित्तल, खरसिया 2. मोहित सोमानी, रायपुर 3. प्रकाश वाधवानी, रायपुर 4. आकाश मोटवानी, रायपुर 5. राहुल खंडेलवाल, रायपुर 6. सुलभ खंडेलवाल, रायपुर शामिल हैं।

पुलिस ने सभी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है। कार्रवाई में साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक विजय चेलक समेत पूरी टीम की अहम भूमिका रही।

"रिक्त पद नहीं" कहकर अनुकंपा नियुक्ति से इंकार नहीं कर सकते : हाईकोर्ट

बिलासपुर हाईकोर्ट ने बैंक का आदेश निरस्त किया, 90 दिन में चतुर्थ श्रेणी पद पर नियुक्ति देने का निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति के एक अहम मामले में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि "रिक्त पद उपलब्ध नहीं है" कहकर आश्रित परिवार को राहत से वंचित नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति ए.के. प्रसाद की एकलपीठ ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक को याचिकाकर्ता संतोष सिन्हा को 90 दिन के भीतर चतुर्थ श्रेणी पद पर नियुक्ति देने का आदेश दिया है।

मृत्यु के दो माह बाद किया था आवेदन

याचिकाकर्ता के पिता बैंक में ऑफिस अटेंडेंट थे। सेवा के दौरान उनकी मृत्यु के मात्र दो माह के भीतर ही संतोष सिन्हा ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन कर दिया था। लेकिन बैंक ने वर्षों तक मामला लंबित रखने के बाद 30 सितंबर 2022 को यह कहकर नियुक्ति से इंकार कर दिया कि पद उपलब्ध नहीं है।

कोर्ट ने कहा : मृत्यु के साथ ही पद रिक्त हो गया था

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अनादि शर्मा ने पैरवी की। उन्होंने तर्क दिया कि बैंक अपनी ही नीति के विपरीत काम कर रहा है और समान परिस्थिति वाले अन्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी गई। कोर्ट ने माना कि कर्मचारी की मृत्यु के साथ ही पद रिक्त हो गया था। समय पर आवेदन आने के बाद रिक्ति न होने का तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता।

संवेदनशील दृष्टिकोण जरूरी

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अनुकंपा नियुक्ति योजना का उद्देश्य मृत कर्मचारी के परिवार को तत्काल राहत देना है। ऐसे मामलों में संस्थाओं को संवेदनशील और मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। तकनीकी आधारों का सहारा लेकर आश्रित परिवार को राहत से वंचित नहीं किया जा सकता।

कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक यह फैसला उन मामलों में नजीर बनेगा जहां संस्थाएं तकनीकी कारणों से अनुकंपा नियुक्ति देने से बचती हैं।

दुर्गश्री फेडरेशन की प्रगति और साथी बाजार परियोजना पर जिला पंचायत सभागृह में समीक्षा बैठक में की गई विस्तृत चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला पंचायत दुर्ग सभागृह में साथी परियोजना की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता बजरंग कुमार दुबे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग द्वारा की गई। कार्यक्रम में नाफेड से सीनियर मैनेजर पूजा टामटे, सीनियर मैनेजर लिसा भट्टाचार्य, स्टेट हेड अनुराग लल्ल एवं नेशनल कोऑर्डिनेटर मनीष शाहा उपस्थित रहे। बैठक के दौरान तुलसी किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के पदाधिकारियों द्वारा साथी बाजार दुर्ग में अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी प्रस्तुत की गई।

इस अवसर पर दुर्गश्री किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष योगेश सोनकर, उपाध्यक्ष निधि चंद्राकर एवं सचिव महेंद्र सिन्हा उपस्थित रहे। बैठक में परियोजना की प्रगति, संचालन व्यवस्था एवं किसानों से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

इसी क्रम में नई दिल्ली नाफेड एवं संबंधित अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में दुर्ग श्री फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. योगेश सोनकर ने फेडरेशन के निर्माण कार्यों एवं प्रगति की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

उन्होंने अवगत कराया कि दुर्गश्री फेडरेशन के निर्माण कार्य का प्रारंभ कर दिया गया है, जिसके अंतर्गत सिविल कार्य हेतु निविदा जारी कर निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके पश्चात प्री-फेब्रिकेशन स्ट्रक्चर के माध्यम से लगभग 150 उद्यम स्थलों का निर्माण प्रस्तावित है, जिनका व्यय निविदा प्रक्रिया के माध्यम से चयनित उद्यमियों द्वारा किया जाएगा।

डॉ. सोनकर ने बताया कि साथी बाजार दुर्ग का भूमि पूजन 20 फरवरी 2026 को कृषि मंत्री राम विचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव तथा बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चन्द्रहास चन्द्राकर द्वारा संपन्न किया गया था। इसी अवसर पर तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई सहित चार अन्य संस्थानों के साथ एमओयू भी संपन्न किया गया।

उन्होंने यह भी कहा कि साथी परियोजना के सफल संचालन में जिला प्रशासन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारियों का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है, जिससे फेडरेशन अपने निर्धारित लक्ष्यों की ओर निरंतर अग्रसर है।

फेडरेशन के सचिव महेंद्र सिन्हा ने जानकारी दी कि अब तक 10 से 12 ऋद्धड को फेडरेशन से जोड़ा जा चुका है। उपाध्यक्ष निधि चंद्राकर ने बताया कि जिले की उरफयोजनाओं से समन्वय स्थापित करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

वंदना मैडम द्वारा जानकारी दी गई कि विभिन्न बीमा कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित कर हेल्थ इंश्योरेंस, लाइफ इंश्योरेंस, शॉप इंश्योरेंस सहित कई प्रकार की बीमा योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

नाफेड की ओर से पूजा टामटे ने बताया कि नाफेड द्वारा भी इंश्योरेंस एवं अन्य गतिविधियों को गति प्रदान की जा रही है तथा फेडरेशन को विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, जिससे सदस्यों को आर्थिक लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने सभी प्रयासों की सराहना की।

खास खबर

बेलौदी में दो मरीज मिले, स्थिति सामान्य

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पाटन विकासखंड के ग्राम बेलौदी में उल्टी-दस्त के मरीज प्राप्त होने की सूचना प्राप्त होने पर डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग के निर्देश में डॉ. सीबीएस बंजारे, जिला सर्वेलेंस अधिकारी दुर्ग, डॉ. भुनेश्वर कठौतिया, खंड चिकित्सा अधिकारी, पाटन, रितिका सोनवानी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट, दुर्ग, डॉ. उमेश मिर्जा, उत्तम मधुकर सुपरवाईजर एवं स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता व मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दानी से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रभावित क्षेत्र का स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सर्वे किया जा रहा है। सर्वे में 15 मई 2026 को कुल 90 घरों का सर्वे किया गया जहां उल्टी-दस्त के 02 नये मरीज मिले हैं, 11 मई 2026 से अब तक कुल 60 मरीज मिले जिनमें से 06 मरीजों का इलाज जिले के विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। 3 मरीज जिला अस्पताल व 3 मरीज सेलूद हॉस्पिटल में भर्ती हैं व अन्य सभी मरीज घर पर चिकित्सकीय उपचार ले रहे हैं। संक्रमित क्षेत्र में उल्टी-दस्त से किसी भी मरीज की मृत्यु नही हुई है। सक्रिय सर्वेलेंस का कार्य स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा है। वतर्मान में स्थिति सामान्य है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जनता से अपील की है कि पानी उबाल कर पीये, सड़ीगली सब्जी न खाये, तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर चिकित्सकीय परामर्श लें और अपने व परिवार का ध्यान रखें।

भाजपा की चुनावी रैलियां खत्म, अब "महंगाई का रोड शो" शुरू : अरुण वोरा

दुर्ग। देशभर में पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। इस मुद्दे पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता दुर्ग के पूर्व विधायक अरुण वोरा ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार अपने चुनावी फायदे के लिए हर चीज छिपा लेती है और चुनाव खत्म होते ही जनता पर बोझ डाल देती है. वोरा ने कहा कि दो महीने चले चुनाव के दौरान लोकतंत्र पर कई सवाल उठे, सत्ता का दुरुपयोग हुआ, लेकिन तब देशभक्ति नजर नहीं आई। अब जनता को पेट्रोल बचाने और घर से काम करने की सीख देकर देशभक्ति समझाई जा रही है।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पेट्रोल 103.58 रुपए प्रति लीटर और डीजल 96.57 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है, जबकि निजी कंपनी जियो ने 5 रुपए तक रेट बढ़ा दिए हैं। वोरा ने कहा कि- "दो हफ्ते पहले तक सरकार तेल के दाम बढ़ने से इनकार कर रही थी और अब जनता को धीरे-धीरे इसके लिए तैयार किया जा रहा है। 20 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान से एक दिन पहले रिपोर्ट आई थी कि पेट्रोल के दाम 25 से 28 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ सकते हैं। उस समय पेट्रोलियम मंत्रालय ने ट्वीट कर इसे "फेक न्यूज" बता दिया और कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव ही नहीं है। 11 मई को फिर से संकेत मिलने लगे कि तेल के दाम बढ़ सकते हैं। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान के ठीक पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा गया कि सप्लाई पर्याप्त है और दाम बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। लेकिन मतदान खत्म होते ही कहा जाने लगा कि भविष्य में दाम बढ़ने से इनकार नहीं किया जा सकता। जेट फ्यूल के दाम बढ़ रहे हैं, चुनाव के बाद कमर्शियल एलपीजी 93 रुपए महंगी हो गई, 5 किलो वाली एलपीजी 261 रुपए तक महंगी हो गई। अब रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि तेल कंपनियां घाटा सहन नहीं कर पा रहीं हैं।

"और तो और अब प्रधानमंत्री द्वारा जनता को पेट्रोल बचाने की सीख देकर देशभक्ति समझाई जा रही है। अगर जनता से समर्पण की अपील करनी थी तो पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान क्यों नहीं की गई, जब प्रधानमंत्री लगातार रैलियां और रोड शो कर रहे थे? अगर हर रैली में यही अपील दोहराई जाती तो शायद उसका असर भी ज्यादा होता। अगर जनता के लिए पेट्रोल बचाना देशभक्ति है तो प्रधानमंत्री खुद पेट्रोल की बचत क्यों नहीं कर रहे? अपील करने के ठीक पहले उन्होंने हैदराबाद में रोड शो किया, उसी रात जामनगर पहुंचे और वहां भी रोड शो हुआ। 11 मई को सोमनाथ में रोड शो हुआ और उसके बाद वडोदरा में भी कार्यक्रम प्रस्तावित था। प्रधानमंत्री के काफिले में 50 से 100 तक गाड़ियां रहती हैं, उनके साथ अन्य नेताओं और सुरक्षा बलों के वाहन अलग चलते हैं। यह सब भी पेट्रोल और डीजल से ही चलता है।"

अवैध प्लाटिंग पर प्रशासन सख्त : विधायक रिकेश ने लोगों से की सतर्क रहने की अपील

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग और भूमाफियाओं की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने अपनी कमर कस ली है। इसी सिलसिले में हाल ही में विधायक रिकेश सेन की मौजूदगी में कलेक्टर, निगम कमिश्नर भिलाई तथा अन्य अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक में भूमाफियाओं के खिलाफ सख्त कदम उठाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।

भूमाफियाओं पर एक्शन : कई अवैध प्लाटिंग स्थल ध्वस्त

बैठक में अधिकारियों ने हाल ही में की गई प्रशासनिक कार्रवाई की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कई अवैध प्लाटिंग स्थलों को पहले ही ध्वस्त किया जा चुका है। प्रशासन को लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर आगे भी इस तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलता रहेगा।

कम कीमत का लालच और भूमाफियाओं का जाल

समीक्षा बैठक में यह चिंताजनक बात सामने आई कि प्रशासन की कड़ी कार्रवाई के बावजूद भूमाफिया अब भी सक्रिय हैं। वे आम जनता को कम कीमत और सस्ती दरों का लालच देकर बिना वैध अनुमति वाले प्लाट बेच रहे हैं। सीधे-सादे लोग उनके इस जाल में फंसकर अपनी गाढ़ी कमाई गंवा रहे हैं।

विधायक की अपील : "खरीदी से पहले वैधानिक स्थिति की जांच करें"

इस स्थिति को देखते हुए विधायक रिकेश सेन ने आम नागरिकों से विशेष अपील की है। उन्होंने कहा कि केवल सस्ती दरों के कारण किसी भी प्लाट को खरीदने का फैसला न करें। जमीन या प्लाट खरीदने से पहले टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, नगर निगम तथा अन्य संबंधित सरकारी विभागों से उसकी वैधानिक स्थिति और एप्रूवल की जांच अवश्य करें।

वहीं प्रशासन ने भी दोटूक शब्दों में स्पष्ट कर दिया है कि अवैध प्लाटिंग करने वालों और भूमाफियाओं के खिलाफ आगे भी बिना किसी रियायत के सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

अवैध प्लाटिंग में जमीन लेने के नुकसान और भविष्य के खतरे

विधायक ने आगाह किया कि अवैध प्लाटिंग में खरीदी गई जमीन पर भविष्य में मकान निर्माण के दौरान गंभीर परेशानियां सामने आती हैं।

नक्शा पास होने में दिक्कत : ऐसी जमीनों पर नगर निगम से मकान का नक्शा पास नहीं होता।

मूलभूत सुविधाओं का अभाव : बिजली-पानी का कनेक्शन मिलने में भारी समस्या होती है। साथ ही सड़क, नाली और स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाएं कभी विकसित नहीं हो पातीं।

कानूनी और प्रशासनिक खतरा : इन जमीनों पर हमेशा कानूनी विवाद, अवैध कब्जे की समस्या और रजिस्ट्री संबंधी अड़चनें बनी रहती हैं। इसके अलावा प्रशासन द्वारा कभी भी तोड़फोड़ की कार्रवाई की जा सकती है।

जागरूकता ही बचाव : प्रशासन की चेतावनी विधायक सेन ने लोगों से जागरूक रहने और किसी भी जमीन की खरीदी से पहले उसके सभी दस्तावेजों की पूरी जांच करने की अपील की है, ताकि भविष्य में होने वाले आर्थिक नुकसान और मानसिक प्रताड़ना से बचा जा सके।

राज्यस्तरीय वूशु प्रतियोगिता के लिए दुर्ग से 60 खिलाड़ियों ने दिया अपना ट्रायल

चयनित खिलाड़ी 20 मई से राजनांदगांव में दिखाएंगे दम, पार्षद आदित्य सिंह ने बढ़ाया हौसला

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राज्यस्तरीय वूशु प्रतियोगिता के लिए दुर्ग जिले के खिलाड़ियों का चयन ट्रायल शुक्रवार को संपन्न हुआ। विभिन्न ट्रेनिंग सेंटर से करीब 60 खिलाड़ियों ने ट्रायल में हिस्सा लिया। चयनित खिलाड़ी 20 से 25 मई तक राजनांदगांव में होने वाली राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में दुर्ग जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सीनियर प्रशिक्षकों ने लिया ट्रायल

यह चयन प्रक्रिया मार्शल आर्ट्स संस्था कारा-कु-जू-बो-काई-कान फुल कॉन्टैक्ट कराटे के डायरेक्टर सेंसाई गिरीराव के मार्गदर्शन में हुई। सीनियर प्रशिक्षक जे.पी. राजू, रामकुमार पाण्डेय, गांधी सोनी, भरत साहू, सुभाष सोनी, काजल बेहरा और अमरकांत तिवारी ने खिलाड़ियों का मूल्यांकन कर चयन किया।

पार्षद ने किया उत्साहवर्धन

ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने वार्ड-07 राधिका नगर पार्षद एवं एम.आई.सी. मेंबर आदित्य सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात कर राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

भाजपा नेता कन्हैया सोनी ने की शनिदेव की आराधना, प्रदेशवासियों के लिए मांगा आशीर्वाद

शनि जयंती पर सेक्टर-6 भिलाई शनि मंदिर में विशेष पूजा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शनि जयंती के पावन अवसर पर सेक्टर-6 स्थित शनि मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। भाजपा नेता कन्हैया सोनी ने भगवान शनिदेव की आराधना की।

सुख-समृद्धि की कामना

पूजा के दौरान कन्हैया सोनी ने प्रभु शनिदेव से समस्त प्रदेशवासियों और देशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और कुशल मंगल जीवन की प्राथर्ना की। उन्होंने कहा कि भगवान शनिदेव की कृपा सभी पर बनी रहे और जीवन में सुख, शांति, समृद्धि व न्याय का प्रकाश बना रहे। इस अवसर पर उन्होंने सभी को शनि जयंती की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मंदिर में श्रद्धालुओं ने भी शनिदेव के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

शनि जयंती पर श्रद्धा का उमड़ा सैलाब, हवन-पूजन व भंडारे में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नंदिनी अहिवारा। शनि देव मंदिर में शनिवार को शनि जयंती श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाई गई। वार्ड क्रमांक 12 स्थित मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी थी। मंदिर में विशेष हवन-पूजन, तेल से रुद्राभिषेक एवं शनि देव की विशेष आराधना की गई।

मंदिर के संस्थापक एवं मुख्य पुजारी ईश्वर गिरी गोस्वामी के मार्गदर्शन में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। पूजा-अर्चना के दौरान श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। कार्यक्रम के दौरान भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम को आरती के बाद भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जहां भक्तिमय माहौल में श्रद्धालु देर रात तक भजनों का आनंद लेते रहे। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में उत्साह और आस्था का वातावरण बना रहा। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

जन समस्या शिविर में उमड़ी भीड़, 149 आवेदन प्राप्त

नंदिनी अहिवारा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 03 स्थित मंगल भवन में जन समस्या शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शासन के विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया गया तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में वार्ड क्रमांक 05, 06, 07 एवं 08 सहित नगर के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे। लोगों ने अपनी मांग एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए तथा विभागीय सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में कुल 149 मांग एवं शिकायत संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 49 महिला हितग्राहियों का ई-केवाईसी किया गया। वहीं 21 हितग्राहियों के आधार अपडेट किए गए तथा 4 लोगों के नए आधार कार्ड तत्काल बनाए गए। शिविर में 4 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 122 लोगों की आभा आईडी बनाई गई तथा 53 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयों का वितरण किया गया। आयुष विभाग ने 67 मरीजों का परीक्षण कर आयुर्वेदिक दवाइयां वितरित कीं। परिवहन विभाग द्वारा 22 लोगों के लर्निंग लाइसेंस बनाए गए। इसके अलावा राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना अंतर्गत 4 महिला हितग्राहियों को 20-20 हजार रुपए के स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। पात्र हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति पत्र एवं 4 लोगों को राशन कार्ड भी वितरित किए गए। आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए शिविर में शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए नागरिकों से सहयोग की अपील की गई।

18 जुलाई को दुर्ग में स्पेशल लोक अदालत, बैंक फायनेंस के लंबित मामलों के निपटारे पर जोर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग में 18 जुलाई 2026 को स्पेशल लोक अदालत आयोजित होगी। इसे सफल बनाने के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन में तीन न्यायिक अधिकारियों की विशेष टीम गठित की गई है। टीम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट और दो व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी शामिल हैं।

बैंक और फायनेंस कंपनियों के प्रकरणों पर फोकस : टीम को बैंक और फायनेंस कंपनियों से जुड़े लंबित प्रकरणों का समन्वय कर सुलह-समझौते से निराकरण कराने का जिम्मा दिया गया है। इसी सिलसिले में 15 मई को न्यायालय के सभागार में बैठक हुई। बैठक में राष्ट्रीयकृत बैंकों, निजी बैंकों और फायनेंस कंपनियों के अधिवक्ताओं व अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

अधिकाधिक मामलों के निपटारे का आग्रह : बैठक में न्यायिक अधिकारियों ने बताया कि लोक अदालत त्वरित, सरल और सौहादर्पूर्ण न्याय की प्रभावी व्यवस्था है। इससे पक्षकारों के समय और धन दोनों की बचत होती है। बैंकों और फायनेंस कंपनियों से लंबित प्रकरणों की सूची तैयार कर पक्षकारों से संपर्क करने को कहा गया है ताकि ज्यादा से ज्यादा मामले स्पेशल लोक अदालत में निपटा सकें।

सक्रिय भागीदारी की अपील : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग ने आम नागरिकों, बैंक प्रतिनिधियों और अधिवक्ताओं से स्पेशल लोक अदालत में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। बैठक में स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत की अध्यक्ष और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव भी मौजूद रहे।

जलसंकट, सफाई और पेंशन के मुद्दे पर कांग्रेस का कल दुर्ग निगम घेराव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर में भीषण जलसंकट, चौपट सफाई व्यवस्था, लंबित पेंशन और विकास कार्यों में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर कांग्रेस 18 मई को सुबह 11 बजे दुर्ग नगर निगम का घेराव करेगी। प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल और नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले करेंगे।

40 वार्डों में जलसंकट, टैंकर भी नाकाफी : कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि निगम प्रशासन को लगातार अवगत कराने के बाद भी जनता की समस्याओं की अनदेखी हो रही है। शहर के 40 वार्डों में भीषण जल संकट है। टैंकर से भी पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही। आरोप है कि भ्रष्टाचार की मंशा से शक्ति नगर तालाब को खाली कर दिया गया।

सफाई और पेंशन पर भी सवाल : प्रवक्ता नासिर खोखर ने बताया कि पेंशनधारियों को कई माह से पेंशन नहीं मिली है। शहर की सफाई व्यवस्था चौपट है। निगम का स्वच्छता अभियान केवल कागजों तक सीमित है। कचरा प्रबंधन नहीं हो रहा। विकास कार्यों के टेंडर में अनियमितता से निगम को करोड़ों का नुकसान हो रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानों में भी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

ये नेता रहेंगे मौजूद : नगर निगम घेराव में पूर्व विधायक अरुण वोरा, प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू, दीपक दुबे, पूर्व महापौर आरएन वर्मा, शंकरलाल ताम्रकार, पूर्व सभापति राजेश यादव, अलताफ अहमद सहित कांग्रेस के सभी पार्षद, पूर्व पार्षद, ब्लॉक अध्यक्ष, जिला और ब्लॉक पदाधिकारी, कार्यकर्ता व आम जनता शामिल होगी।

सीएम हेल्पलाइन 1076 से आम जनता की शिकायतों का होगा समयबद्ध निराकरण

अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण, पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन को मिलेगा नया सशक्त माध्यम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार प्रदेश के नागरिकों को शासकीय सेवाओं तक सरल पहुंच और उनकी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए राज्य सरकार द्वारा सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली छत्तीसगढ़ प्रारंभ की जा रही है। सुशासन एवं अभिसरण विभाग के अंतर्गत संचालित इस प्रणाली का उद्देश्य नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने, शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने तथा समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत, सुलभ और विश्वसनीय मंच प्रदान करना है।

इसी क्रम में जशपुर जिला पंचायत सभाकक्ष में ब्लॉक एवं जिला स्तरीय अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण सभी अधिकारियों की सवोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए और शिकायतों के समाधान में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए।

प्रशिक्षण दल के प्रमुख अनुराग दीवान ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन एक केंद्रीकृत और तकनीक आधारित शिकायत निवारण प्रणाली है, जिसके माध्यम से नागरिक फोन, व्हाट्सऐप, वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप और लिखित आवेदन के जरिए अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। प्रत्येक शिकायत को एक विशिष्ट टोकन नंबर प्रदान किया जाएगा, जिससे उसकी रियल-टाइम ट्रैकिंग संभव होगी।

उन्होंने बताया कि शिकायतों के समाधान के लिए चार स्तरीय तंत्र विकसित किया गया है। इसमें एल-1 पर ब्लॉक स्तर, एल-2 पर जिला स्तर, एल-3 पर संभागीय अथवा निदेशालय स्तर तथा एल-4 पर सचिव या विभागाध्यक्ष स्तर पर शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। निर्धारित समयसीमा में समाधान नहीं होने की स्थिति में शिकायत स्वतः अगले स्तर पर प्रेषित हो जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन प्रणाली पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, जिनमें यूनिक टोकन नंबर के माध्यम से शिकायत ट्रैकिंग, समयबद्ध समाधान हेतु रुछ्अ आधारित व्यवस्था, समाधान के बाद नागरिकों से संतुष्टि फीडबैक, पारदर्शिता एवं जवाबदेही तथा टक्र डैशबोर्ड के माध्यम से सतत निगरानी शामिल हैं। सीएम हेल्पलाइन कॉल सेंटर वर्ष के 365 दिन, सप्ताह के सातों दिन और 24 घंटे संचालित रहेगा। नागरिक टोल फ्री नंबर 1076 पर कॉल कर, ऑनलाइन पोर्टल, व्हाट्सऐप या लिखित आवेदन के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे तथा उसकी स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

यह प्रणाली राज्य में पारदर्शी, जवाबदेह और जनकेंद्रित प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन को मजबूत करने और आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए लगातार कार्य कर रही है। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार, अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू, सीएम हेल्पलाइन के जिला स्तरीय नोडल अधिकारी हरिओम द्विवेदी, सभी एसडीएम तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खास खबर

प्रभारी मंत्री ने जामगांव में निर्माणाधीन विद्युत उपकेन्द्र का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार अंतर्गत शुक्रवार को कोंडागांव जिले के केशकाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम अड़ेंगा में आयोजित शिविर में शामिल होने के पश्चात जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य आबकारी व श्रम विभाग मंत्री लखनलाल देवांगन जामगांव में निर्माणाधीन 132/33 केव्ही के विद्युत उपकेन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रगतिरत कार्यों का अवलोकन किया और इस विद्युत परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी ली और कहा कि इस कार्य के पूर्ण हो जाने पर क्षेत्रवासियों को विद्युत संबंधी समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कांकेर सांसद भोजराज नाग, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम सहित कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना और स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

खाट पर बैठकर मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से किया संवाद समस्याएं सुनीं और मौके पर दिए समाधान के निर्देश

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम कोसला का औचक निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री श्री साय के गांव पहुंचते ही पूरे क्षेत्र में उत्साह का वातावरण बन गया। मुख्यमंत्री श्री साय का बेहद सहज, आत्मीय और सादगीपूर्ण स्वरूप उस समय देखने को मिला, जब वे बिना किसी औपचारिकता के गांव के पीपल पेड़ की छांव तले आयोजित चौपाल में ग्रामीणों के बीच खाट पर बैठकर उनसे सीधे संवाद करने लगे। यह दृश्य ग्रामीणों के लिए यादगार बन गया और चौपाल आत्मीय संवाद तथा संवेदनशील शासन की मिसाल बन गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने चौपाल में ग्रामीणों, महिलाओं और किसानों से सीधे चर्चा करते हुए शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार महिलाओं, किसानों, गरीबों और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्य कर रही है।

अधिकारियों ने बताया कि विगत ढाई वर्षों में ग्राम कोसला में 474 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवास प्लस सर्वेक्षण के माध्यम से छूटे हुए सभी पात्र हितग्राहियों को भी योजना का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद सबसे पहले 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई थी और अब हजारों परिवारों का पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, विशेष सचिव रजत बंसल, कलेक्टर जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता पाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

हर जिले की हो अलग पहचान, योजनाओं से बदले जनजीवन — राज्यपाल

जल संरक्षण जन आंदोलन बने, तभी बढ़ेगा भूजल– राज्यपाल रमेन डेका

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने कबीरधाम जिले में विकास कार्यों के संबंध में बैठक लेकर वर्षा जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को व्यापक स्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को जन अभियान का रूप देना आवश्यक है, तभी वतर्मान और आने वाली पीढ़ियों को भूजल संकट से बचाया जा सकेगा। बैठक में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा भी उपस्थित रहीं।

राज्यपाल श्री डेका ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिलास्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि वर्षा जल प्रकृति का मुफ्त संसाधन है, जिसे सहेजकर न केवल वर्तमान जरूरतें पूरी की जा सकती हैं बल्कि भूजल स्तर को भी बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने प्रत्येक पक्के भवन और प्रधानमंत्री आवास में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने पर जोर दिया। साथ ही खेतों में डबरी निर्माण कर वर्षा जल संरक्षण की दिशा में कार्य करने तथा प्रारंभिक स्तर पर बड़े किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करने की बात कही।

राज्यपाल श्री डेका ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधरोपण ही नहीं बल्कि उनका संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है, जिससे जिले का फॉरेस्ट कवर बढ़ सके। उन्होंने शहरी क्षेत्रों में भी वृक्षारोपण बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को अपनाने, किसानों को प्रशिक्षण देने, जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा हाइड्रोपोनिक्स और ड्रिप इरिगेशन जैसी आधुनिक कृषि पद्धतियों पर बड़े स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता बताई।

पीएम जनमन योजना की समीक्षा करते हुए राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि योजना का उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजातियों के सामाजिक और आर्थिक जीवन में सुधार लाना है। उन्होंने आवास, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए योजना के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान उन्होंने टीबी मरीजों के उपचार, पोषण आहार उपलब्धता तथा मल्टीपल टीबी मरीजों को उच्च चिकित्सा केंद्रों में रेफर कर समुचित उपचार सुनिश्चित करने पर बल दिया। महिलाओं में स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और नियमित स्क्रीनिंग कैंप आयोजित करने के भी निर्देश दिए। राज्यपाल ने बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा एम्स के साथ एमओयू किया गया है, जिसके तहत मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों का निःशुल्क उपचार किया जा रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों को इसका लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने रेड क्रॉस वार्षिक सदस्यता अभियान को बढ़ाने पर भी जोर दिया और कहा कि लोगों की छोटी-छोटी मदद किसी का जीवन बदल सकती है।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि हर जिले और विकासखंड की अपनी अलग पहचान होनी चाहिए, जो योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव के माध्यम से स्थापित की जा सकती है। उन्होंने अधिकारियों से अपने कार्यक्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर लोगों के जनजीवन में वास्तविक परिवर्तन लाने की बात कही।

बैठक में कलेक्टर गोपाल वर्मा , पुलिस अधीक्षक सहित सभी एसडीएम व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को मिली नई गति : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने रायगढ़ को दी 102 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ जिले के कुसमुरा में आयोजित सभा में जिलेवासियों को 102 करोड़ 93 लाख 24 हजार रुपए के विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के कुल 24 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 33 करोड़ 98 लाख 47 हजार रुपए लागत के 13 कार्यों का लोकार्पण तथा 68 करोड़ 94 लाख 77 हजार रुपए लागत के 11 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायगढ़ से उनका आत्मीय रिश्ता वर्षों पुराना है और यहां की जनता ने उन्हें हमेशा परिवार के सदस्य की तरह स्नेह दिया है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास, संवाद और समाधान का सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने बताया कि 1 मई से 10 जून तक आयोजित सुशासन तिहार के माध्यम से प्रदेशभर में आम नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए चलाए गए विशेष अभियान से हजारों लोगों को राहत मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीब परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है तथा 13 लाख किसानों को 3716 करोड़ रुपए का बकाया बोनस दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रशासनिक पारदर्शिता और डिजिटल गवर्नेंस को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि आगामी समय में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रारंभ की जाएगी, जिससे आम नागरिक घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे और समय-सीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं बिजली बिल भुगतान समाधान योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार जरूरतमंद परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

अधिकारियों की मौजूदगी में 902 से अधिक आवेदनों हुए प्राप्त अधिकांश मौके पर ही हुआ निराकरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-गरियाबंद

राज्य सरकार के मंशानुरूप प्रदेशभर में सुशासन तिहार 2026 के तहत आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु गरियाबंद जिले के विभिन्न विकासखण्डों में लगातार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज देवभोग विकासखण्ड के ग्राम मुंगझर स्थित शासकीय मिडिल स्कूल परिसर में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आसपास के 18 गांवों से बड़ी संख्या में नागरिक पहुँचे और अपनी समस्याएँ एवं मांगें प्रस्तुत कीं। शिविर के दौरान 902 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 857 मांग एवं 45 शिकायत से संबंधित थे। इनमें से अधिकांश आवेदनों का निराकरण स्थल पर ही किया गया। जिससे ग्रामीणों के चेहरे में उत्साह का माहौल था।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार सुशासन के प्रति प्रतिबद्ध है। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रदेशभर में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने पीएम आवास, राशन कार्ड, महतारी वंदन, आयुष्मान कार्ड जैसे तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा है कि हर नागरिक तक लाभ आसानी से पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि अपनी समस्याएँ और मांगें सीधे विभागीय अधिकारियों के समक्ष रखें ताकि त्वरित निराकरण सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार शिविरों के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्रों में शासन-प्रशासन पहुंच रहे है। समस्याओं को मौके पर ही सुनकर उसका निराकरण और लाभान्वित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को भटकने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र के कुछ नागरिक ओडिसा में कई वर्ष तक रहने पर उनका नाम आवास सूची में नहीं आने एवं राशन कार्ड नहीं मिल पाने के कारण जब वो अपने घर पहुंचे और अपनी समस्याओं के बारे में प्रशासन को बताया तब उनका नाम आवास सूची में जुड़ने की कार्यवाही की जा रही है। साथ ही आज शिविर के माध्यम से उन्हें राशन कार्ड भी उपलब्ध कराया गया।

जिला पंचायत सदस्य श्रीमती नेहा सिंघल ने कहा कि शासन प्रतिवर्ष ऐसे शिविरों का आयोजन करता है ताकि गांव में शिविर लगाकर ब्लॉक एवं जिला स्तर के अधिकारी नागरिकों की समस्याओं का समाधान करते है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं की जानकारी मिलती है, जिससे लोगों को वास्तविक लाभ मिल रहा है। पूर्व विधायक गोवर्धन मांझी ने कहा कि जिले में सुशासन तिहार के कार्यक्रम निर्धारित स्थानों पर सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं का लाभ तत्काल उपलब्ध कराया जा रहा है।

शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दो गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया। मत्स्य विभाग द्वारा हितग्राहियों को जाल वितरित किए गए। समाज कल्याण विभाग द्वारा दो दिव्यांगों को ट्रायसायकल वितरित किया गया। इसके साथ ही राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड का वितरण भी किया गया। सुशासन तिहार के माध्यम से अधिकारियों ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाएँ की जानकारी ग्रामीणों को दी। इस अवसर पर कलेक्टर बीएस उइके, जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गायत्री परियोजना प्रभावितों के लिए सौगात : जोबगा में 95 रोजगार का रास्ता साफ

जिला पुनर्वास एवं पुर्नस्थापना समिति की बैठक में घटते क्रम में वरीयता सूची के विकल्प पर समिति ने दी सहमति

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जिले के तहसील सूरजपुर अंतर्गत केतका स्थित गायत्री भूमिगत परियोजना, विश्रामपुर एसईसीएल क्षेत्र के लिए जिला पुनर्वास एवं पुर्नस्थापना समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना से प्रभावित भूमिस्वामियों एवं आश्रितों के पुर्नवास और रोजगार संबंधी विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक के दौरान ग्राम जोबगा की अधिग्रहित निजी भूमि से संबंधित भूमिस्वामियों एवं आश्रितों को कोल इंडिया पुर्नवास नीति 2012 के तहत रोजगार उपलब्ध कराने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। प्रभावित परिवारों को नीति के तहत निर्धारित रोजगार के दो विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन करने के लिए बैठक आयोजित की गई। जिसमें घटते क्रम में वरीयता सूची के विकल्प पर सहमति व्यक्त की गई । बैठक में लिए गए इस निणर्यो के आधार पर ही अब प्रभावित व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराने की आगे की कार्वाई की जाएगी।

बैठक में बताया गया कि गायत्री भूमिगत परियोजना के अंतर्गत कुल 288.209 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की गई है, जिसमें 220.784 हेक्टेयर निजी भूमि शामिल है। परियोजना से ग्राम जोबगा, गेतरा और पोड़ी प्रभावित हैं।

जानकारी के अनुसार ग्राम जोबगा में कुल 77.69 हेक्टेयर (191.976 एकड़) भूमि अधिग्रहित की गई है। मुआवजा निर्धारण के समय यहां 168 खातेदार थे, जबकि अधिग्रहण तिथि के समय इनकी संख्या 161 खातेदार रही।

निजी भूमि के लिए कुल 20.17 करोड़ रुपए मुआवजा राशि निर्धारित की गई है। इसमें अब तक 42 खातेदारों को 7.09 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है, जबकि 126 खातेदारों को 13.08 करोड़ रुपए का भुगतान शेष है।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि कोल इंडिया पुर्नवास नीति 2012 के तहत परियोजना प्रभावितों के लिए 95 रोजगार का प्रावधान किया गया है। समिति ने प्रभावित परिवारों को नियमानुसार लाभ दिलाने और पुनर्वास प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

सीएम ने लेमरू में मंजू बहन के स्टॉल पर चखा गुपचुप, लखपति दीदी मंजू बनी आत्मनिर्भरता की मिसाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कोरबा जिले के लेमरू प्रवास के दौरान आत्मीयता, संघर्ष और आत्मनिर्भरता की एक प्रेरणादायक तस्वीर देखने को मिली। मुख्यमंत्री श्री साय ने यहां ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी लखपति दीदी श्रीमती मंजू द्वारा संचालित छोटे से स्टॉल पर पहुंचकर उनके हाथों से बने चटपटे गुपचुप का स्वाद लिया और आत्मीय संवाद किया।

बातचीत के दौरान श्रीमती मंजू ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्होंने छोटे स्तर से अपने व्यवसाय की शुरुआत की थी। गुपचुप स्टॉल से होने वाली बचत और लगातार मेहनत के बल पर आज वे भवन निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाली ह्यसेंटरिंग प्लेटह्व के व्यवसाय से भी जुड़ गई हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद अपने हौसले, परिश्रम और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। उन्होंने मंजू बहन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना आज महिलाओं के आत्मविश्वास, सम्मान और आर्थिक मजबूती का मजबूत आधार बन रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रीमती मंजू को लखपति दीदी योजना के अंतर्गत 30 हजार रुपये का प्रोत्साहन चेक भी प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मेहनत को अवसर और हौसले को सहारा मिलता है, तब बदलाव केवल एक व्यक्ति के जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे गांव और समाज में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देता है।

संपादकीय

बाल विवाह के खिलाफ छग की निर्णायक लड़ाई, हजारों पंचायतों की बदली तस्वीर

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर, उप संचालक, जनसंपर्क

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान बन रहा सामाजिक बदलाव की मिसाल

रायपुर (वीएनएस)। छत्तीसगढ़ में बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान को केंद्र में रखकर शुरू किया गया बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान अब सामाजिक बदलाव की बड़ी मिसाल बनती जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस अभियान को केवल सरकारी योजना तक सीमित न रखते हुए जनभागीदारी का व्यापक आंदोलन बना दिया है। गांव-गांव में जागरूकता और सामाजिक सहभागिता के जरिए बाल विवाह जैसी कुरीति पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में लगातार ठोस परिणाम सामने आ रहे हैं। 10 मार्च 2024 से शुरू हुए इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ बाल विवाह रोकना नहीं, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना भी है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि, शिक्षक, मितानिनें और महिला स्व-सहायता समूह लगातार जमीनी स्तर पर लोगों को जागरूक करने में जुटे हुए हैं। यही वजह है कि अभियान अब प्रशासनिक कार्यक्रम से आगे बढ़कर सामाजिक चेतना का हिस्सा बनता दिखाई दे रहा है। राज्य सरकार ने वर्ष 2028-29 तक पूरे छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया है। चरणबद्ध योजना के तहत 2025-26 तक 40 प्रतिशत, 2026-27 तक 60 प्रतिशत, 2027-28 तक 80 प्रतिशत और 2028-29 तक सभी ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने की तैयारी है। अभियान की प्रगति भी उत्साहजनक रही है।

31 मार्च 2026 तक राज्य की 11 हजार 693 ग्राम पंचायतों में से 7 हजार 498 पंचायतें बाल विवाह मुक्त घोषित की जा चुकी हैं, जो कुल पंचायतों का लगभग 64 प्रतिशत है। वहीं 196 नगरीय निकायों में से 85 निकाय इस श्रेणी में शामिल हो चुके हैं। राज्य के बालोद जिले ने इस दिशा में सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए खुद को पूर्णतः बाल विवाह मुक्त घोषित कराया है। प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयासों से मिली यह सफलता अब दूसरे जिलों के लिए प्रेरणा बन रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय लगातार यह संदेश दे रहे हैं कि विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव शिक्षित और आत्मनिर्भर बेटियां ही होंगी। इसी सोच के साथ सरकार बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ लागू कर रही है। कम उम्र में विवाह होने से बालिकाओं की पढ़ाई प्रभावित होती है, स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ते हैं और उनके भविष्य की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। यही कारण है कि अभियान के तहत किशोरियों और अभिभावकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है ताकि समाज में स्थायी बदलाव लाया जा सके।

पंचायत आधारित जनभागीदारी, सतत निगरानी और सामाजिक जागरूकता के प्रभावी मॉडल के कारण बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान अब राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बनता जा रहा है। राज्य सरकार का यह प्रयास केवल एक सामाजिक कुरीति को समाप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण का व्यापक संकल्प बनकर उभर रहा है।

पुण्यतिथि प्रसंग (18 मई) पर विशेष : क्यों जरुरी है अनिल माधव दवे की याद!

प्रो. संजय द्विवेदी

किसी की भी जिंदगी में अनेक लोग आते हैं कुछ आम, कुछ खास। पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री अनिल माधव दवे ऐसे व्यक्ति थे, जिनसे मिलकर उनसे मुक्त नहीं हुआ जा सकता। अनोखे नमर्दापुत्र, विरल वक्ता और अप्रतिम सामाजिक कार्यकर्ता। उन्हें याद करना एक ऐसे व्यक्ति को याद करना है, जिसके लिए राजनीति का मतलब इस पृथ्वी और मानवता के सामने उपस्थित संकटों के समाधान खोजना था। वे बेहद सुदर्शन, सजीले और नफासत से भरे व्यक्ति थे। उनमें अजीब सी सादगी के साथ एक गहरा आभिजात्य उपस्थित था। उनके सामने आकर लगता था कि हम उनसे बहुत छोटे हैं। विचार के स्तर पर भी, कर्म के स्तर पर भी।

जिंदगी के सबसे खास सवाल दरअसल जल, जंगल, जमीन ही हैं। लेकिन राजनीति के केंद्र से ये मुद्दे अनुपस्थित हैं। अनिल दवे की राजनीति इन मुद्दों के आसपास ही है। अपने संवादों में वे इन चिंताओं को निरंतर व्यक्त भी करते थे। विचारों में आधुनिक, किंतु भारतीयता की जड़ों से गहरे जुड़े अनिल दवे संघ परिवार के उन कार्यकर्ताओं में थे, जिनमें गहरा भारतप्रेम और भारतबोध था। 18 मई, 2017 को वे हमें छोड़कर चले गए इसके बाद भी उनकी दिखाई राह आज भी उतनी ही पाक, मुकम्मल और प्रासंगिक है। वे जिस तरह बुनियादी सवालों पर संवाद कर रहे थे वह दुर्लभ है। जिंदगी को प्रकृति से जोड़ने और उसके साथ सहजीवन कायम करने की उनकी भावना अप्रतिम थी। अपनी मृत्यु के समय वे केंद्रीय पर्यावरण मंत्री थे। उन्हें संसद में बहुत गंभीरता से सुना जाता था।

श्री अनिल माधव दवे, देश के उन चुनिंदा राजनेताओं में थे, जिनमें एक बौद्धिक गुरूत्वाकर्षण मौजूद था। उन्हें देखने, सुनने और सुनते रहने का मन होता था। पानी, पर्यावरण, नदी और राष्ट्र के भविष्य से जुड़े सवालों पर उनमें गहरी अंतर्दृष्टि मौजूद थी। उनके साथ नदी महोत्सवों, विश्व हिंदी सम्मेलन-भोपाल, अंतरराष्ट्रीय विचार महाकुंभ-उज्जैन सहित कई आयोजनों में काम करने का मौका मिला। उनकी विलक्षणता के आसपास होना कठिन था। आज जबकि राजनीति में बौने कद के लोगों की बन आई तब वे एक आदमकद राजनेता-सामाजिक कार्यकर्ता के नाते हमारे बीच उन सवालों पर अलख जगा रहे थे, जो राजनीति के लिए वोट बैंक नहीं बनाते। वे ही ऐसे थे जो जिंदगी के, प्रकृति के सवालों को मुख्यधारा की राजनीति का हिस्सा बना सकते थे।

अपनी वसीयत में ही उन्होंने यह साफ कर दिया था कि उनकी प्रतिबद्धता क्या है। उन्होंने अपनी वसीयत में लिखा था कि मेरा अंतिम संस्कार नमर्दा नदी के तट पर बांद्राभान में किया जाए तथा उनकी स्मृति में कोई स्मारक, प्रतियोगिता, पुरस्कार, प्रतिमा स्थापना इत्यादि ना हो। मेरी स्मृति में यदि कोई कुछ करना चाहते हैं तो वृक्ष लगाएं और उन्हें संरक्षित करके बड़ा करेंगे तो मुझे बड़ा आनंद होगा। वैसे ही नदियों एवं जलाशयों के संरक्षण में भी अधिकतम प्रयत्न किए जा सकते हैं। दवे जी का जीवन और उनकी वसीयत एक ऐसा पाठ है जो बहुत कुछ सिखाती है।

भोपाल में जिन दिनों हम पढ़ाई करने आए तो वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक थे, विचार को लेकर स्पष्टता, दृढ़ता और गहराई के बावजूद उनमें जड़ता नहीं थी। वे उदारमना, बौद्धिक संवाद में रूचि रखने वाले, नए ढंग से सोचने वाले और जीवन को बहुत व्यवस्थित ढंग से जीने वाले व्यक्ति थे। उनके आसपास एक ऐसा आभामंडल स्वतः बन जाता था कि उनसे सीखने की ललक होती थी। नए विषयों को पढ़ना, सीखना और उन्हें अपने विचार परिवार (संघ परिवार) के विमर्श का हिस्सा बनाना, उन्हें महत्वपूर्ण बनाता था। वे परंपरा के पथ पर भी आधुनिक ढंग से सोचते थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन अविवाहित रहकर समाज को समर्पित कर दिया। वे सच्चे अर्थों में भारत की ऋषि परंपरा के उत्तराधिकारी थे। संघ की शाखा लगाने से लेकर हवाई जहाज उड़ाने तक वे हर काम में सिद्धहस्त थे। 6 जुलाई, 1956 को मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले के बड़नगर में जन्में श्री दवे की मां का नाम पुष्पादेवी और पिता का नाम माधव दवे था।

उनकी सादगी में भी एक सौंदयबीध परिलक्षित होता था। बांद्राभान (होशंगाबाद) में जब वे अंतरराष्ट्रीय नदी महोत्सव का आयोजन करते थे, तो कई बार अपने विद्यार्थियों के साथ वहां जाना होता था। इतने भव्य कार्यक्रम की एक-एक चीज पर उनकी नजर होती थी। यही विलक्षता तब दिखाई दी, जब वे भोपाल में हुए विश्व हिंदी सम्मेलन में इसे स्थापित करते दिखे। आयोजनों की भव्यता के साथ सादगी और एक अलग वातावरण रचना उनसे सीखा जा सकता था। सही मायने में उनके आसपास की सादगी में भी एक गहरा सौंदयबीध छिपा होता था। वे एक साथ कितनी चीजों को साधते हैं, यह उनके पास होकर ही जाना जा सकता था। हम भाग्यशाली थे कि हमें उनके साथ एक नहीं अनेक आयोजनों में उनकी संगठनपुरूष की छवि, सौंदयबीध, भाषणकला, प्रेरित करनी वाली जिजीविषा के दर्शन हुए।

विचार के प्रति अविचल आस्था, गहरी वैचारिकता, सांस्कृतिक बोध के साथ वे विविध अनुभवों को करके देखने वालों में थे। शौकिया पर्यटन ने उनके व्यक्तित्व को गढ़ा था। वे मुद्दों पर जिस अधिकार से अपनी बात रखते थे, वह बताती थी कि वे किस तरह विषय के साथ गहरे जुड़े हुए हैं। उनका कृतित्व और जीवन पर्यावरण, नदी संरक्षण, स्वदेशी के युगानुकूल प्रयोगों को समर्पित था। वे स्वदेशी और पर्यावरण की बात कहते नहीं, करके दिखाते थे। उनके मेगा इवेंट्स में तांबे के लोटे, मिट्टी के घड़े, कुल्हड़ से लेकर भोजन के लिए पत्तलें इस्तेमाल होती थीं। आयोजनों में आवास के लिए उनके द्वारा बनाई गयी कुटिया में देश के दिग्गज भी आकर रहते थे। हर आयोजन में नवाचार करके उन्होंने सबको सिखाया कि कैसे परंपरा के साथ आधुनिकता को साधा जा सकता है। राजनीति में होकर भी वे इतने मोर्चों पर सक्रिय थे कि ताज्जुब होता था।

वे एक कुशल संगठनकर्ता होने के साथ चुनाव रणनीति में नई प्रविधियों के साथ उतरने के जानकार थे। भाजपा में जो कुछ कुशल चुनाव संचालक हैं, रणनीतिकार हैं, वे उनमें एक थे। किसी राजनेता की छवि को किस तरह जनता के बीच स्थापित करते हुए अनूकूल परिणाम लाना, यह मध्यप्रदेश के कई चुनावों में वे करते रहे। दिग्विजय सिंह के दस वर्ष के शासनकाल के बाद उमाश्री भारती के नेतृत्व में लड़े गए विधानसभा चुनाव और उसमें अनिल माधव दवे की भूमिका को याद करें तो उनकी कुशलता एक मानक की तरह सामने आएगी। सबको साथ लेकर चलना और साधारण कार्यकर्ता से भी, बड़े से बड़े काम करवा लेने की उनकी क्षमता मध्य प्रदेश ने बार-बार देखी और परखी थी।

उनके लेखन में गहरी प्रामाणिकता, शोध और प्रस्तुति का सौंदर्य दिखता है। लिखने को कुछ भी लिखना उनके स्वभाव में नहीं था। वे शिवाजी एंड सुराज, क्रिएशन टू क्रिमेशन, रैफ्टिंग थ्रू ए सिविलाइजेशन, ए ट्रैवलॉग, शताब्दी के पांच काले पन्?ने, संभल के रहना अपने घर में छुपे हुए गद्दारों से, महानायक चंद्रशेखर आजाद, रोटी और कमल की कहानी, समग्र ग्राम विकास, अमरकंटक से अमरकंटक तक, बेयांड कोपेनहेगन, यस आई कैन, सो कैन वी जैसी पुस्तकों के माध्यम से अपनी बौद्धिक क्षमताओं से लोगों को परिचित कराते हैं। अनछुए और उपेक्षित विषयों पर गहन चिंतन कर वे उसे लोकविमर्श का हिस्सा बना देते थे। आज मध्यप्रदेश में नदी संरक्षण को लेकर जो चिंता सरकार के स्तर पर दिखती है, उसके बीज कहीं न कहीं दवे जी ने ही डाले हैं, इसे कहने में संकोच नहीं करना चाहिए।

वे नदी, पर्यावरण, जलवायु परिर्वतन, ग्राम विकास जैसे सवालों पर सोचने वाले राजनेता थे। नमर्दा समग्र संगठन के माध्यम से उनके काम हम सबके सामने हैं। नमर्दा समग्र का जो कार्यालय उन्होंने बनाया उसका नाम भी उन्होंने ह्यनदी का घरह्ण रखा। वे अपने पूरे जीवन में हमें नदियों से, प्रकृति से, पहाड़ों से संवाद का तरीका सिखाते रहे। प्रकृति से संवाद दरअसल उनका एक प्रिय विषय था। दुनिया भर में होने वाली पर्यावरण से संबंधित संगोष्ठियों और सम्मेलनों मे वे भारत (इंडिया नहीं) के एक अनिवार्य प्रतिनिधि थे। उनकी वाणी में भारत का आत्मविश्वास और सांस्कृतिक चेतना का निरंतर प्रवाह दिखता था। एक ऐसे समय में जब बाजारवाद हमारे सिर चढ़कर नाच रहा है, प्रकृत्ति और पर्यावरण के समक्ष रोज संकट बढ़ता जा रहा है, हमारी नदियां और जलश्रोत- मानव रचित संकटों से बदहाल हैं, अनिल दवे का हमारे साथ न होना हमें बहुत अकेला कर गया है।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के हैं।)

श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी

पीएलएफएस के मुताबिक श्रमिकों को कोरोना काल के पहले एक हफ्ते में जितने घंटे मिलते थे, आज उससे कम मिल रहे हैं। ऐसे में श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी है और कार्य-स्थितियां बिगड़ी हैं। नतीजा बढ़ती श्रमिक अशांति है।

भारत में 2025 में श्रमिकों के लिए कम कामकाजी घंटे उपलब्ध हुए। यह तथ्य ताजा आवधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से सामने आया है। इस हाल के निहितार्थ दूरगामी हैं। बारीक नजर डालें, तो मालूम पड़ेगा कि विभिन्न हिस्सों में इस समय दिख रही श्रमिक अशांति से लेकर एफएमसीजी (यानी तेल-साबुन जैसी रोजमर्रा उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली) कंपनियों पर बढ़ते दबाव के पीछे इसकी भूमिका है। एक खबर के मुताबिक इक्विटी निवेशक भारत की एफएमसीजी कंपनियों से मुंह मोड़ रहे हैं। यानी उन्हें नहीं लगता कि इन कंपनियों की बिक्री और मुनाफे में स्वस्थ बढ़ोतरी होगी। इस बढ़ोतरी का संबंध आम जन की आमदनी और उपभोग से है, जबकि आमदनी बढ़ने की गुंजाइशें सिकुड़ रही हैं।

पीएलएफएस के मुताबिक श्रमिकों को कोरोना काल के पहले एक हफ्ते में जितने घंटे मिलते थे, आज उससे कम मिल रहे हैं। भारत की श्रम शक्ति में 56 फीसदी हिस्सा स्वरोजगार कर्मियों का है। जनवरी- दिसबंर 2025 की अवधि में ऐसे कर्मियों को उपलब्ध काम के घंटों में सबसे बड़ी गिरावट आई। जुलाई 2018 से जून 2019 के बीच ऐसे कर्मियों को हफ्ते में औसतन 46.6 घंटे का काम मिल जाता था। मगर पिछले वर्ष ये औसत 39.6 घंटे प्रतिशत रहा। दिहाड़ी और वेतनभोगी कर्मियों के कामकाजी घंटे क्रमशः 43.1 और 50.2 से घटकर 41.2 और 48.8 घंटे रह गए। स्पष्टतः इन सबकी औसत आमदनी घटी। नई परिभाषा के तहत घरेलू कार्य में मददगार परिजनों को भी कामकाजी माना जाता है।

गांवों में ज्यादातर महिलाएं इस दायरे में आती हैं। उनके कामकाजी घंटे 2018-19 के 38.2 घंटों की तुलना में पिछले साल 32.6 घंटे रह गए। नतीजतन, शहरों की तरफ पलायन के रूप में हुआ है, जबकि वहां भी अवसर घटे हैं। ऐसे में श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी है। अतः कंपनियों में उनसे न्यूनतम वेतन पर 12 घंटों तक काम लिया जा रहा है। इसके बावजूद जब रोजमर्रा की जरूरतें पूरी नहीं होतीं, तो नोएडा जैसे हालात बनते हैं। इस कारण मांग और उपभोग भी गिरता है, तो कंपनियों का मुनाफा प्रभावित होता है। भारत में ये दुश्चक्र गंभीर होता जा रहा है।

तमिलनाडु : थलपति विजय की क्वांटम लीप

सुधीर सक्सेना

क्वांटम लीप वैज्ञानिक शब्दावली का टर्म है, लेकिन यदि भारतवर्ष की बीती अर्द्धशती की राजनीति का सिंहावलोकन करें तो इस टर्म को दक्षिण भारत की राजनीति के सन्दर्भ में बाखूबी प्रयुक्त किया जा सकता है। दक्षिण भारत के मतदाताओं में सिने-कलाकारों के प्रति गजब का क्रेज है और वहां लंबी नीहारिका है, जिसने राजनीति में चमकीली सफलता अर्जित की। एनटी रामाराव, एमजी रामचंद्रन, जयललिता, करूणानिधि और पवन कल्याण की फेहरिस्त में अब एक नया नाम आ जुड़ा है। यह नाम है विजय थलपति का, जो सिने-स्टारडम से लंबी छलांग लगाकर तमिलनाडु जैसे महत्वपूर्ण प्रांत के मुख्यमंत्री की कुर्सी तक जा पहुंचे हैं।

थलपति यानि कमांडर के नाम से विख्यात विजय का पूरा नाम है जोसेफ विजय चंद्रशेखर। अगले माह 22 जून को वह अपने जीवन के बावन वर्ष पूरे कर लेंगे। उनके पिता एसए चंद्रशेखर ईसाई हैं और मां शोभा हिन्दु। यह इसी पृष्ठभूमि का प्रभाव है कि वह मंदिर भी जाते हैं और चर्च भी, साथ ही उन्हें मस्जिद और दरगाह जाने में कोई संकोच नहीं होता। तमिल-सिनेमा से उनका नाता इस नाते पुराना है कि उनके पिता सिने निर्देशक रहे हैं और कांग्रेस के प्रति उनकी रूझान रही है। चेन्नै में जनमे विजय की पढ़ाई भी स्थानीय लोयोला कॉलेज में हुई और उन्होंने शुरूआती डेढ़ दो दशक तक अपना ध्यान पूरी तौर पर फिल्मों पर केंद्रित किया। इसके बाद वह सार्वजनिक जीवन की ओर मुड़े और फैन क्लबों के जरिये उन्होंने सधे हुये कदमों से वह यात्रा शुरू की, जिसकी परिणति चार मई, 26 को उनकी आशातीत राजनीतिक सफलता और उपलब्धि में हुई।

थलपति विजय आज तमिल सिनेमा की सफलतम और शीर्षस्थ कमाऊ सितारों की सूची में शुमार हैं। वह अब तक 69 फिल्मों में लीड-भूमिकाओं में आ चुके हैं और फिल्म में उनकी मौजूदगी टिकट खिड़की पर सफलता की गारंटी मानी जाती है। यदि उनके जीवन-वृत्त को खंगालें तो दिलचस्प तौर पर पिता के प्रोत्साहन और प्रेरणा पर उन्होंने अपना सिनेमाई सफर सन 1984 में तमिल फिल्म वेट्री में बाल कलाकार के तौर पर किया। पिता द्वारा निर्देशित कुछ फिल्मों में बाल भूमिकाएं निभाने के उपरांत 18 वर्ष की वय में 1992 में उन्हें नालैया थीर्पु में नायक की भूमिका निभाने का मौका मिला। तदंतर पूर्व उनक्कगा, लव टुडे, कडलुक्कू मरियाधई, थुल्लथ, मानामम थुल्लम, कुशी, प्रियम्मनावले और फ्रेंड्स आदि ने एक दशक में उन्हें तमिल सिने उद्योग में शिखर पर पहुंचा दिया। इसके बाद के ढाई दशक रूपहले पर्दे पर उनकी धूम की दहाई थी। वह तमिल सिने दशर्कों की पहली पसन्द बनकर उभरे। अंततः सन 2024 में उन्होंने सिनेमा को सायोनारा कह दिया और राजनीति उनका पहला प्रेम बनकर उभरी। दिलचस्प बात है कि इसी साल आई उनकी फिल्म का टाईटिल था ग्रेटेस्ट आफ आल टाइम। मगर उनकी अंतिम फिल्म जन नायगान का रिलीज होना अभी शेष है।

फरवरी, सन 2024 में विजय ने अपनी नयी पार्टी लाँच की। द्रविड़ पार्टियों के वर्चस्व की अर्द्धशती के परिप्रेक्ष्य में यह एक साहसिक कदम था, लेकिन यह साहस उन्हें फला। नयी पार्टी का उन्होंने नाम रखा तमिलगा वेट्री कझगम। बताते हैं कि वह विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन के इच्छुक थे। इसके वास्ते उन्होंने राहुल गांधी से भेंट व चर्चा भी की थी, लेकिन द्रमुक से जारी गठबंधन और स्थानीय ईकाई के परामर्श से वह ऐसा करने से हिचक गये। फलतः कांग्रेस और टीवीके मेल सिरे नहीं चढ़ा।

यह सोचना भ्रामक होगा कि थलपति की सियासी सफलता दो वर्ष की सक्रियता का नतीजा है। इसके पीछे

बिलाशक उनके फैन क्लबों की गतिविधियों का हाथ है। थलपति ने सन 2009 में अपने फैन क्लब विजय मक्काल इयक्कम की नींव डाली थी। समय के साथ ये फैन क्लब समूचे तमिलनाडु में ओरछोर फैल गये। इन क्लबों ने राहत कार्यों, शिक्षण, प्रशिक्षण और चैरिटी का काम हाथ में लिया। इसने उनकी सिनेमाई छवि में हातिमताई के रंगे भरे। आपदा पीड़ितों के लिये दरवाजे और थैलियां खोलने ने जननायक की संवदेनशील छवि अर्जित करने में मदद की। इसके बावजूद जब-तब उनकी सियासत में रूचि और रूझान सामने आती रही। सन 2011 के चुनाव में उन्होंने अन्नाद्रमुक-नीत गठबंधन को समर्थन दिया। सन 2019 में उन्होंने नागरिकता अधिनियम का यह कहकर विरोध किया कि इससे सामाजिक-धार्मिक सौमनस्यता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। सन 2022 में उनके फैन क्लब के सदस्यों ने निकाय चुनावों में शिरकत की और 115 सीटों पर सफलता पाई। उनकी बढ़ती लोकप्रियता प्रमाण 27 सितंबर, 2025 को करूर में तब मिला, जब उनकी रैली में भगदड़ से 41 लोगों की जानें गयीं। इस पर उन्होंने शोक संवेदना व्यक्त की और हताहतों के लिये धनराशि वितरित की।

थलपति विजय की खूबी है कि उन्होंने करीब 85000 फैन क्लबों की मजबूत चुनावी मशीनरी में बदल दिया है। ये क्लब उन्हें कार्यकर्ता, चुनावी भीड़ और समर्थक तो जुटाते ही हैं, उनकी नायक की छवि में निर्मित करते हैं। जब वह भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति की बात करते हैं तो यह छवि उसमें सहायक होती है। उनकी यह इमेज दक्षिण भारतीय मतदाताओं की सितारों के प्रति नैसर्गिक चाहत को पोसती है। मान सकते हैं कि सन 2011 में जयललिता को समर्थन की परिणति ने उनके मन में सियासत में शिरकत का बिरवा रोपा था। बहरहाल, ताजा चुनाव में टीवीके की 108 सीटों पर कामयाबी से वह नया इतिहास रचने में सफल रहे हैं। उन्होंने स्वयं दो सीटों पेरांबूर और त्रिची ईस्ट से चुनाव लड़ा और विजयी रहे। यह भी तय है कि बहुमत से कुछ सीटों का फासला पूरने में वह सफल होंगे। तयशुदा है कि दोनों लेफ्ट पार्टियां भी उन्हें समर्थन देंगी। नतीजों के बाद वह राजभवन जाकर सरकार बनाने का दावा जता चुके हैं। कांग्रेस ने समर्थन के साथ यह शर्त जरूर नत्थी की है कि विजय सांप्रदायिक ताकतों से दूरी बरतेंगे, संवैधानिक मूल्यों का पान करेंगे, थंथाई पेरियार के सामाजिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता रखेगें और पेरूंथ लैवर कामराज के गौरवशाली दिनों की वापसी के लिये जतन करेंगे। जहां तक विजय के विचारों की बात है वह स्पष्ट कर चुके हैं कि द्रमुक उनकी राजनीतिक बैरी है और बीजेपी वैचारिक शत्रु। चुनाव प्रचार के दरम्यान उन्होंने इतनी अधिक लोकलुभावन घोषणायें की हैं कि वित्तीय कारणों से उन्हें अमल में लाना कठिन होगा। तमिल मतदाताओं को उनसे उम्मीद इस नाते है कि वह फैन क्लबों के जरिये मुफ्त कैंटीन, कंप्यूटर वितरण, ब्लड डोनेशन और राहत कार्यों का अभियान चलाते रहे हैं। मीडिया की चकाचौंध से बचने के लिये बाज वक्त वह रूमाल से चेहरा ढंककर अथवा दुपहिया वाहन पर बैठकर घटना स्थल पर गये। वह राहुल गांधी ही नहीं अन्ना हजारे और नरेन्द्र मोदी से भी मिल चुके हैं। वह करूणानिधि और एमजीआर के प्रशंसक हैं। सामाजिक न्याय उनके लिए मायने रखता है। कम ही लोगों को ज्ञात होगा कि वह कुशल और पुरस्कृत गायक हैं और इलैयाराजा और एआर रहमान तक के लिए गा चुके हैं। हां, उनका निजी जीवन विवाद और नुक्ताची का शिकर रहा है। उन्होंने सन 1999 में संगीता सोर्नालिंगम से शादी की थी, जो श्रीलंका में जनमी ब्रिटिश तमिल युवती थीं। संगीता ने गत वर्ष उनसे तलाक की अर्जी लगाई है, अलबत्ता उनकी दोनों संतानों से उनके रिश्तों को इससे बूझा जा सकता है कि उनका पुत्र जेसन संजय और पुत्री दिव्या साशा उनके साथ क्रमशः वेट्टैकरन और थेरी में रुपहले पर्दे पर आ चुके हैं। ? 6.25 बिलियन संपत्ति के स्वामी थलपति विजय का तृषा कृष्णन के साथ प्रेम प्रसंग संप्रति लोगों की जुबान पर है, लेकिन आज की राजनीति में नायकों के प्रेम-प्रसंग और विवाहेतर संबं?ध समथर्कों और प्रशंसकों के लिये मायने नहीं रखते, अतः थलपति का पर्फामेन्स ही तय करेगा कि वह राजनीति में कितनी लंबी और कैसी पारी खेलते हैं?

बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग की लत

एक बड़ी समस्या बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ी लत है। इसे कैसे नियंत्रित और अनुशासित किया जाए, इस चुनौती का सामना तमाम समाजों को करना पड़ रहा है। भारत में क्या किया जाए, यह महत्त्वपूर्ण सवाल है।

ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने का कानून पारित करने के लगभग एक साल बाद केंद्र ने इस पर अमल के नियम तय किए हैं। स्पष्टतः इनमें गेमिंग के हानिकारक असर और तकनीकी प्रगति के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है। कहा जा सकता है कि इस कोशिश में सरकार काफी हद तक सफल है। ऑनलाइन गेमिंग प्रोत्साहन एवं विनियमन कानून मुख्य रूप से ऑनलाइन जुए को रोकने के लिए बनाया गया था। गेम के नाम पर तब सट्टेबाजी का धंधा इतने बड़े पैमाने पर फैलाया गया कि परिवारों के बर्बाद होने की खबरें आम हो गई थीं। इसका चस्का लगाने के लिए खास कर क्रिकेट मैचों को जरिया बनाया गया।

इसीलिए जब सरकार ने उस पर रोक लगाई, तो समाज के विवेकशील तबकों ने राहत महसूस की। ये अच्छी बात है कि उद्योग जगत की भारी लॉबिंग के बावजूद सरकार अपने इरादे पर अडिग रही है। तय नियमों के तहत जिन गेम्स में पैसे का लेन-देन होता है, उन पर रोक लगी रहेगी। इनमें पोकर, रमी, फैंटेसी स्पोर्ट्स और दांव लगाने से संबंधित गेम शामिल हैं। बाकी ई-स्पोर्ट्स को वैध प्रतिस्पर्धा माना गया है। ऐसे गेम्स को डेवलप करने और संचालित करने पर सामान्यतः कोई रोक नहीं होगी। अगर किसी मामले में सरकार को लगता है कि उस गेम के हानिकारक प्रभाव हो रहे हैं, तो उस पर जरूर रोक लगाई जा सकेगी।

इन पर निगरानी के लिए सूचना तकनीक मंत्रालय के तहत एक ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण बनाया जाएगा। ये सारे नियम सही दिशा में हैं। लेकिन इन नियमों के दायरे से बाहर रह गई एक बड़ी समस्या बच्चों और किशोरों में ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ी लत है। इसे कैसे नियंत्रित और अनुशासित किया जाए, इस चुनौती का सामना तमाम समाजों को करना पड़ रहा है। कुछ देशों में इसकी वैधानिक व्यवस्था की गई है, जिसमें इस रुझान को अनुशासित करने का दायित्व संचालक कंपनियों पर डाला गया है। भारत में इस दिशा में क्या किया जाए, यह महत्त्वपूर्ण सवाल है। लगे हाथ सरकार को इस बारे में भी चर्चा छेड़नी चाहिए थी। बहरहाल, अभी भी देर नही हुई है।

साल की पहली शनि अमावस्या पर बन रहे है 5 शुभ संयोग

जब अमावस्या शनिवार के दिन आती है, तो उसे शनि अमावस्या या शनिश्चरी अमावस्या कहा जाता है। 2026 में साल की पहली शनि अमावस्या ज्येष्ठ माह में पड़ने जा रही है, जो खास मानी जाती है। इस दिन कई शुभ संयोग बन रहे हैं, जिनमें एक दुर्लभ योग भी शामिल है। मान्यता है कि इस अवसर पर व्रत, स्नान, दान और शनिदेव की पूजा करने से जीवन के कष्ट कम होते हैं। खासतौर पर जिन लोगों पर शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या का प्रभाव है, उनके लिए यह दिन बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं शनि अमावस्या 2026 की सही तारीख, पूजा का शुभ मुहूर्त और इस दिन बनने वाले विशेष संयोगों के बारे में। साल की पहली शनि अमावस्या इस बार कई शुभ योगों के कारण और भी विशेष मानी जा रही है। इस दिन एक साथ 5 महत्वपूर्ण संयोग बन रहे हैं, जो इसे अत्यंत पुण्यदायी बनाते हैं। सबसे खास बात यह है कि इसी दिन शनि जयंती यानी शनिदेव का जन्मोत्सव भी मनाया जाएगा। इसके साथ ही यह ज्येष्ठ माह की अमावस्या है, जिसे दर्श अमावस्या के रूप में भी जाना जाता है। इसी दिन वट सावित्री व्रत का संयोग भी बन रहा है, जो विवाहित महिलाओं के लिए अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिषीय दृष्टि से भी यह दिन खास है, क्योंकि सुबह से लेकर 10 बजकर 26 मिनट तक सौभाग्य योग रहेगा, जो जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ाने वाला माना जाता है। इसके बाद 10 बजकर 26 मिनट से शोभन योग शुरू होगा, जो पूरी रात तक रहेगा और शुभ कार्यों के लिए अनुकूल समय प्रदान करेगा।

शनि अमावस्या 2026 मुहूर्त

शनि अमावस्या के दिन सूर्योदय सुबह 5:30 बजे होगा।

ब्रह्म मुहूर्त : प्रातः 4:07 बजे से 4:48 बजे तक

अभिजीत मुहूर्त : दोपहर 11:50 बजे से 12:45 बजे तक

शनिदेव की पूजा के लिए विशेष शुभ समय: सुबह 7:19 बजे से 8:59 बजे तक

शनि अमावस्या का महत्व

शनि अमावस्या का दिन पूजा, व्रत, स्नान और दान के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन लोग शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। साथ ही पितरों की शांति के लिए तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध जैसे कार्य भी किए जाते हैं, जिससे पितृ दोष से राहत मिलने की मान्यता है। इस बार शनि अमावस्या के साथ शनि जयंती का दुर्लभ संयोग बन रहा है, जो इसे और अधिक खास बनाता है। ऐसे में इस दिन किए गए धार्मिक कार्य और उपाय शनि के अशुभ प्रभावों को कम करने में सहायक माने जाते हैं। मान्यता है कि इस अवसर पर प्रसन्न होकर शनिदेव अपने भक्तों को सुख-समृद्धि और कष्टों से मुक्ति का आशीर्वाद देते हैं।

अखंड सौभाग्य पाने के लिए जाना जाता है वट सावित्री अमावस्या व्रत

इस वर्ष वट सावित्री व्रत पर्व 16 मई सोमवार को मनाया जा रहा है। यह व्रत अखंड सौभाग्य पाने के लिए जाना जाता है। महिलाओं का वट सावित्री अमावस्या के दिन सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राणों की रक्षा की थी। हिन्दू धर्म में वट सावित्री अमावस्या सौभाग्यवती स्त्रियों का महत्वपूर्ण पर्व है। इस व्रत को ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी से अमावस्या तक तथा ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी से पूर्णिमा तक करने का विधान है।

मान्यता है कि वट सावित्री व्रत करने से पति दीर्घायु और परिवार में सुख शांति आती है। पुराणों के अनुसार वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है। इस व्रत में बरगद वृक्ष चारों ओर घूमकर सौभाग्यवती स्त्रियां रक्षा सूत्र बांधकर पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। वट सावित्री व्रत में 'वट' और 'सावित्री' दोनों का खास महत्व माना गया है। पीपल की तरह ही वट या बरगद वृक्ष का भी विशेष महत्व है। इस व्रत को सभी प्रकार की स्त्रियां यानी कुमारी, विवाहिता, कुपुत्रा, सुपुत्रा, विधवा आदि करती हैं। इस व्रत को स्त्रियां अखंड सौभाग्यवती रहने की मंगलकामना से करती हैं। आजकल अमावस्या को ही इस व्रत का नियोजन होता है। इस दिन वट (बड़, बरगद) का पूजन होता है।

वट सावित्री अमावस्या पूजा विधि

- वट सावित्री अमावस्या के दिन प्रातःकाल घर की सफाई कर नित्य कर्म से निवृत्त होकर स्नान करें।
- तत्पश्चात पवित्र जल का पूरे घर में छिड़काव करें।
- इसके बाद बांस की टोकरी में सप्त धान्य भरकर ब्रह्मा की मूर्ति की स्थापना करें।
- ब्रह्मा के वाम पार्श्व में सावित्री की मूर्ति स्थापित करें।
- इसी प्रकार दूसरी टोकरी में सत्यवान तथा सावित्री की मूर्तियों की स्थापना करें। इन टोकरियों को वटवृक्ष के नीचे ले जाकर रखें।
- इसके बाद ब्रह्मा तथा सावित्री का पूजन करें।
- अब निम्न श्लोक से सावित्री को अर्घ्य दें-
  अवैधव्यं च सौभाग्यं देहि त्वं मम सुव्रते।
  पुत्रान्न पौत्रांश्च सौख्यं च गृहाणार्घ्यं नमोस्तुते।।
- तत्पश्चात सावित्री तथा सत्यवान की पूजा करके बड़ की जड़ में पानी दें।
- इसके बाद निम्न श्लोक से वटवृक्ष की प्रार्थना करें-
  यथा शाखाप्रशाखाभिर्वृद्धोसि त्वं महीतले।
  तथा पुत्रैश्च पौत्रैश्च सम्पन्नं कुरु मा सदा।।
- पूजा में जल, मौली, रोली, कच्चा सूत, भिगोया हुआ चना, फूल तथा धूप का प्रयोग करें।
- जल से वटवृक्ष को सींचकर उसके तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेटकर 3 बार परिक्रमा करें।
- बड़ के पत्तों के गहने पहनकर वट सावित्री की कथा सुनें।
- भीगे हुए चनों का बायना निकालकर, नकद रुपए रखकर सासुजी के चरण स्पर्श करें।
- यदि सास वहां न हो तो बायना बनाकर उन तक पहुंचाएं।
- वट तथा सावित्री की पूजा के पश्चात प्रतिदिन पान, सिन्दूर तथा कुमकुम से सौभाग्यवती स्त्री के पूजन का भी विधान है। यही सौभाग्य पिटारी के नाम से जानी जाती है। सौभाग्यवती स्त्रियों का भी पूजन होता है। कुछ महिलाएं केवल अमावस्या को एक दिन का ही व्रत रखती हैं।
- पूजा समाप्ति पर ब्राह्मणों को वस्त्र तथा फल आदि वस्तुएं बांस के पात्र में रखकर दान करें।
- अंत में निम्न संकल्प लेकर उपवास रखें
  मम वैधव्यादिसकलदोषपरिहारार्थं
  ब्रह्मसावित्रीप्रीत्यर्थं
  सत्यवत्सावित्रीप्रीत्यर्थं च
  वटसावित्रीव्रतमहं करिष्ये।
- इस वट वृक्ष के नीचे सावित्री-सत्यवान की कथा को पढ़ने अथवा सुनने से मनोवांछित सुफल की प्राप्ति होती है।

वट सावित्री अमावस्या पूजन सामग्री की आवश्यक सूची

वट सावित्री व्रत यानी वट सावित्री अमावस्या 16 मई को रखा जा रहा है। यह व्रत हर साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या के दिन रखा जाता है। वट सावित्री व्रत करने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्ष एवं संतान की प्राप्ति होती है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार वट सावित्री व्रत में पूजन सामग्री विशेष महत्व रखती है। इन सामग्रियों के बिना यह व्रत अधूरा रह जाता है। अतः पूजन करते समय इन चीजों का होना आवश्यक है

- सावित्री-सत्यवान की मूर्ति या तस्वीर
- कच्चा सूत, बांस का पंखा
- सुपारी, पान, नारियल
- लाल कपड़ा, सिंदूर
- दूर्बा घास, अक्षत
- सुहाग का सामान, नकद रुपए
- लाल कलावा, बरगद का फल,
- धूप, मिट्टी का दीपक, घी
- फल (आम, लीची और अन्य फल)
- फूल, बताशे, रोली (कुमकुम)
- कपड़ा 125 मीटर, इत्र,
- पूड़ियां, भिगोया हुआ चना
- स्टील या कांसे की थाली, मिठाई
- जल से भरा कलश आदि

शनि जयंती कब है

महत्व और शनिदेव को प्रसन्न करने की विशेष पूजा विधि

इस साल शनि जयंती 16 मई के दिन है। शनि जयंती न्याय के देवता शनिदेव के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। आप अगर शनिदेव की विशेष कृपा पाना चाहते हैं, तो आपको शनि जयंती पर शनि चालीसा का पाठ जरूर करना चाहिए।

इस साल शनि जयंती 16 मई के दिन है। हिन्दू पंचांग के अनुसार इस साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि 16 मई को है और इस तारीख पर न्याय के देवता शनिदेव का जन्मदिवस मनाया जाएगा।

शनि जयंती शनिदेव की विशेष कृपा पाने के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है। शनि जयंती 16 मई को है, इसलिए आप किसी भी समय पर शनिदेव की पूजा कर सकते हैं। इससे शनिदेव की कृपा आप पर बनी रहती है लेकिन पौराणिक मान्यता है कि अगर सूर्य के ढलने के समय अगर शनिदेव की पूजा की जाए, तो शनिदेव की विशेष कृपा मिलती है। विशेषकर जो लोग शनि की साढ़ेसाती या शनि की ढैया से पीड़ित हैं, उन्हें शनि जयंती पर शनिदेव की पूजा जरूर करनी चाहिए।

शनिदेव को प्रसन्न करने की पूजा विधि

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लें। इसके बाद नीले या काले रंग के कपड़े पहन लें। शनि मंदिर जाकर सरसों के तेल में काले तिल डालकर शनिदेव को अर्पित करें। इसके बाद शनिदेव के सामने दीपक जलाकर उनकी कृपा पाने के लिए प्रार्थना करें। शनि चालीसा का पाठ करके शनिदेव को प्रसाद चढ़ाएं।

शनिदेव की कृपा पाने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

- शनिदेव की कृपा पाने के लिए याद रखें कि शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है, इसलिए कभी भी बुरे कर्म ना करें या इसे समर्थन ना दें।
- शनिदेव को लाल रंग के फूलों की जगह नीले रंग के फूल अर्पित करें।
- शनि जयंती पर पीपल की जड़ में पानी और कच्चा दूध मिलाकर चढ़ाने से भी आपकी कुंडली से शनि का नकारात्मक प्रभाव कम होता है।

शनि अमावस्या पर पढ़ें शनिदेव के 10 प्रिय नाम

पुराणों के अनुसार महर्षिं पिप्लाद ने शनिदेव की संतुष्टि के लिए उनके 10 नामों की रचना की है। जनमानस में यह बात मानी जाती हैं कि शनि का जिक्र होते ही व्यक्ति के मन में भय व शंका का भाव आता है। जबकि सच यह है कि शनि ग्रह थोड़ी-सी स्तुति से तुरंत प्रसन्न हो जाते हैं। अगर आप शनिदेव के इन नामों का उच्चारण प्रतिदिन प्रातःकाल में स्नान करके करते हैं तो वह व्यक्ति शनि की प्रतिकूलता, साढ़ेसाती, ढैया आदि किसी भी प्रकार का कष्ट दूर होकर शनि कृपा होती है। अगर आप शनिश्चरी अमावस्या पर शनि के इन 10 नामों का उच्चारण निरंतर करते हैं तो यह सोने पे सुहागा वाली बात होगी यानी कि शनिदेव प्रसन्न होकर अपनी कृपा बरसाएंगे।

शनिदेव के 10 नाम

नमस्ते कोण संस्थाय पिंगलाय नमोस्तुते।
नमस्ते बभ्रुरुपाय कृष्णाय नमोस्तुते।
नमस्ते रौद्रदेहाय नमस्ते चांतकायच।
नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो।
नमस्ते मंदसंज्ञाय शनैश्चर नमोस्तुते।
प्रसादं कुरू देवेश दीनस्य प्रणतस्य च।

कर्म को सुधारें

सबसे जरूरी बात है कर्म को सुधारना। मतलब यह कि आप जुआ-सट्टा खेलना, शराब पीना, ब्याज का धंधा करना, किसी महिला के प्रति बुरी नजर रखना, निर्दोष पशु या पक्षी को सताना, धर्म का मजाक उड़ाना, छुआछूत या ऊंच नीच की भावना रखना, परिवार और रिश्तों का सम्मान नहीं करना, गाली बकते रहना आदि कार्य करना छोड़ दें।

अखंड सौभाग्य का वरदान देता है वट वृक्ष

हिन्दू धर्म संस्कृति में 'वट सावित्री अमावस्या एवं पूर्णिमा' का व्रत आदर्श नारीत्व का प्रतीक बन चुका है। वट पूजा से जुड़े धार्मिक, वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलू में 'वट' और 'सावित्री' दोनों का विशिष्ट महत्व माना गया है। अमावस्या और पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला यह व्रत सौभाग्य और संतान प्राप्ति में सहायता देने वाला माना गया है। आइए जानते हैं सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य देने वाले वट वृक्ष की विशेषताएं

- पुराणों में यह स्पष्ट किया गया है कि वट में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है।
- प्राचीनकाल में मानव ईंधन और आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए लकड़ियों पर निर्भर रहता था, किंतु बारिश का मौसम पेड़-पौधों के फलने-फूलने के लिए सबसे अच्छा समय होता है। साथ ही अनेक प्रकार के जहरीले जीव-जंतु भी जंगल में घूमते हैं। इसलिए मानव जीवन की रक्षा और वर्षाकाल में वृक्षों को कटाई से बचाने के लिए ऐसे व्रत विधान धर्म के साथ जोड़े गए, ताकि वृक्ष भी फलें-फूलें और उनसे जुड़ी जरूरतों की अधिक समय तक पूर्ति होती रहे।
- वट वृक्ष ज्ञान व निर्माण का प्रतीक है।
- भगवान बुद्ध को इसी वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था।
- वट एक विशाल वृक्ष होता है, जो पर्यावरण की दृष्टि से एक प्रमुख वृक्ष है, क्योंकि इस वृक्ष पर अनेक जीवों और पक्षियों का जीवन निर्भर रहता है।
- इसकी हवा को शुद्ध करने और मानव की आवश्यकताओं की पूर्ति में भी भूमिका होती है।
- दार्शनिक दृष्टि से देखें तो वट वृक्ष दीर्घायु व अमरत्व के बोध के नाते भी स्वीकार किया जाता है।
- वट सावित्री में स्त्रियों द्वारा वट यानी बरगद की पूजा की जाती है।
- इसके नीचे बैठकर पूजन, व्रत कथा आदि सुनने से मनोकामना पूरी होती है।
- वट वृक्ष का पूजन और सावित्री-सत्यवान की कथा का स्मरण करने के विधान के कारण ही यह व्रत वट सावित्री के नाम से प्रसिद्ध हुआ।
- धार्मिक मान्यता है कि वट वृक्ष की पूजा लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य देने के साथ ही हर तरह के कलह और संताप मिटाने वाली होती है।
- वट पूजा से जुड़े धार्मिक, वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलू हैं। यह एक बहुवर्षीय विशाल वृक्ष है, जिसे बरगद, 'वट' और 'बड़' भी कहते हैं। इस व्रत के व्यावहारिक और वैज्ञानिक पहलू पर गौर करें तो इस व्रत की सार्थकता दिखाई देती है। आज भी यह व्रत परंपरा के अनुसार मनाया जाता है।

कब रखा जाएगा वट सावित्री का व्रत, क्या है पूजा का मुहूर्त और महत्व

वट सावित्री व्रत हिंदू महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं और दिर्घायु की कामना करती हैं, ताकि उनका सुहाग लंबे समय तक बना रहे। यही वह दिन होता है जब वो वट वृक्ष की पूजा करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन सावित्री ने यमराज से सत्यवान के प्राण वापस मांगे थे।

कब है वट सावित्री व्रत?

हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि को वट सावित्री मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 16 मई को पड़ रही है। इसकी शुरूआत सुबह 5 बजकर 11 मिनट पर लगेगी और रात 1 बजकर 32 मिनट पर खत्म हो जाएगी। यानी वट सावित्री का व्रत 16 मई को रखा जाएगा। आप भी इसी तिथि पर वट सावित्री व्रत को रख सकती हैं और अपने पति की लंबी आयु की कामना कर सकती हैं।

वट सावित्री व्रत के शुभ मुहूर्त

वट सावित्री व्रत इस बार शनिवार के दिन पड़ रहा है। इस दिन शनि अमावस्या का भी खास संयोग बन रहा है। इसलिए इसका शुभ समय अभिजित मुहूर्त रहेगा। महिलाएं सुबह 11 बजकर 51 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। इस शुभ मुहूर्त में वट सावित्री की पूजा हो सकती है।

वट सावित्री व्रत का क्या है महत्व?

हिंदू धर्म में वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व है, जिसे सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुखद वैवाहिक जीवन की कामना के लिए रखती हैं। यह व्रत पौराणिक कथा के अनुसार माता सावित्री के त्याग और अटूट पतिव्रत धर्म का प्रतीक है, जिन्होंने अपने दृढ़ संकल्प से यमराज को पराजित कर अपने पति सत्यवान के प्राण वापस पा लिए थे। इस दिन वट वृक्ष की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बरगद के पेड़ में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है, जिसकी सेवा से अखंड सौभाग्य का वरदान मिलता है।

जैकी के 'सिचुएशनशिप' वाले बयान पर रकुल ने तोड़ी चुप्पी

रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म पति पत्नी और वो दो के प्रमोशन में बिजी हैं। इसी बीच उनकी शादी और रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में रकुल के पति जैकी ने अपनी शादी को 'सिचुएशनशिप' कहा था। अब इस मामले पर रकुल ने खुलकर चर्चा की है।

बात थोड़ी ज्यादा बढ़ गई और पर्सनल हो गई

एक इंटरव्यू में रकुल ने कहा कि वह और जैकी सिर्फ मजाक कर रहे थे, लेकिन सोशल मीडिया पर उस बात को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने बताया कि लोगों ने सिर्फ एक लाइन पकड़ ली और पूरे इंटरव्यू का मतलब बदल गया। रकुल ने कहा, 'हम दोनों उस वक्त हंस रहे थे। लेकिन बाद में बात थोड़ी ज्यादा बढ़ गई और पर्सनल हो गई। लोग हमारी जिंदगी को नहीं जानते। सिर्फ एक शब्द और एक लाइन को लेकर हेडलाइंस बना दी गई।'

ये कोई बहुत बड़ी बात नहीं है

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि जैकी ने वह बात किसी और जगह नहीं कही थी, बल्कि दोनों साथ बैठे हुए रिश्तों पर बातचीत कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने मजाक में वह शब्द इस्तेमाल किया था। रकुल ने कहा, 'गलतियां हो जाती हैं, ये कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।'

जैकी ने क्या कहा था?

दरअसल, वायरल क्लिप में जैकी कहते नजर आए थे, 'रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हम 'सिचुएशनशिप' में हैं। हां, हम एक-दूसरे के लिए एक्सक्लूसिव हैं क्योंकि हमारी शादी हुई है। सबसे अच्छी बात ये है कि मैं उनसे हर बात शेयर कर सकता हूं।' इस बयान के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें होने लगीं। कुछ लोगों ने तो यहां तक अंदाजा लगाना शुरू कर दिया कि दोनों के रिश्ते में सब ठीक नहीं चल रहा।

बता दें कि रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी करीब तीन साल तक रिलेशनशिप में रहे थे। इसके बाद दोनों ने 21 फरवरी 2024 को गोवा में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी।

सिविल इंजीनियर बनना चाहती थीं शरवरी, एक सवाल ने बदल दी पूरी जिंदगी

शरवरी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म में वेदांग रैना के साथ नजर आने वाली हैं और फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। उन्होंने बताया कि बचपन में उन्हें एक्टिंग वर्कशॉप्स काफी पसंद थीं, लेकिन उन्होंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था। जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा।

सिविल इंजीनियर बनना चाहती थीं एक्ट्रेस

इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने 11वीं में साइंस स्ट्रीम ली थी क्योंकि उनका सपना सिविल इंजीनियर बनने का था। उनके पिता बिल्डर हैं और मां इंटीरियर डिजाइनर और आर्किटेक्ट, इसलिए उन्हें लगा कि वही रास्ता उनके लिए सही रहेगा। शरवरी ने कहा, 'मैंने कभी अपने पैरेंट्स को एक्टिंग के लिए मनाने की कोशिश नहीं की, क्योंकि वो हमेशा मेरे सपनों के साथ खड़े रहे। कॉलेज के दौरान मैंने एक टैलेंट प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और उसे जीतने के बाद मुझे ऑडिशन मिलने शुरू हो गए।'

इस सवाल से बदली जिंदगी

हालांकि शुरुआत में उन्होंने इसे सिर्फ एक एक्सपेरिमेंट की तरह लिया, लेकिन उनके माता-पिता ने एक्टिंग के लिए उनका जुनून महसूस कर लिया था। शरवरी ने बताया, 'एक दिन मेरे पैरेंट्स ने मुझसे पूछा कि क्या तुम एक्ट्रेस बनना चाहती हो? उस पल सबकुछ बदल गया। मैंने कभी खुद से भी यह बात खुलकर नहीं कही थी, लेकिन जब उन्होंने पहली बार इसे जोर से कहा, तब मुझे हिम्मत मिली। मैं हर रात यह सपना देखती थी, लेकिन खुद से भी स्वीकार नहीं कर पाती थी।' शरवरी ने कहा कि उस सवाल के जवाब में उन्होंने सिर्फ 'हां' कहा और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

शरवरी का वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो शरवरी ने साल 2024 की फिल्म 'मुंजया' से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई। आने वाले समय में वह इम्तियाज अली की 'मैं वापस आऊंगा' की फिल्म में नजर आएंगी। साथ ही वे आने वाले समय में सूरज बड़जात्या और आदित्य चोपड़ा जैसे बड़े फिल्ममेकर्स की फिल्मों में भी नजर आने वाली हैं।

पति से तलाक की चर्चाओं पर मौनी रॉय ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। ऐसी अफवाहें हैं कि व्यवसायी सूरज नांबियार से उनकी शादी टूट चुकी है, कुछ खबरों में तो यह भी कहा जा रहा है कि तलाक हो चुका है और दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। अब खबरों के तेजी से फैलने के बाद मौनी रॉय सामने आई हैं और उन्होंने इस पूरे मामले पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने फैंस और मीडिया से एक अपील भी की है।

मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इसके जरिए उन्होंने लोगों से अफवाह न फैलाने और उनकी निजता का सम्मान करने की बात कही है। अपनी स्टोरी में मौनी ने लिखा, 'सभी से विनती है कि वे झूठी खबरें न फैलाएं और हमें निजता और स्पेस दें।' इसके बाद उन्होंने हाथ जोड़ने वाला इमोजी भी लगाया। हालांकि, अभी भी उन्होंने स्पष्ट तौर पर तलाक हुआ या नहीं हुआ या दोनों अलग रहे हैं या नहीं, इस पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। न ही मौनी ने पति के साथ कोई तस्वीर साझा की है। ऐसे में अब फैंस के बीच दोनों के रिश्ते को लेकर चिंता और बढ़ गई है। मौनी रॉय के तलाक और पति से अलग होने की चर्चाएं तब शुरू हुईं, जब पता चला कि सूरज और मौनी ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को फॉलो करना बंद कर दिया है। वहीं मौनी और सूरज ने अपनी शादी से संबंधित तस्वीरें भी डिलीट कर दीं। इसके बाद दोनों के बीच सबकुछ ठीक न होने के कयास और भी गहरे होने लगे।

टॉक्सिक रिश्तों का महिमामंडन नहीं, बल्कि उनका दर्द दिखाएगी 'अगली स्टोरी'

छोटे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अविका गौर एक बार फिर तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'अगली स्टोरी' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, जुनून और भावनाओं का एक अनोखा संगम देखने को मिलेगा। फिल्म में अविका के साथ नंदू विजय कृष्णा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेत्री अविका गौर ने बताया कि फिल्म की टीम पहले से ही इस बात को लेकर सतर्क थी कि 'टॉक्सिक' और 'जुनून' के बीच एक साफ अंतर दिखाई दे। उन्होंने कहा, 'फर्क हमेशा इरादे में होता है। हम फिल्म के जरिए टॉक्सिक रिश्तों को आकर्षक या कूल दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा मकसद यह दिखाना है कि ऐसे रिश्ते किसी इंसान की मानसिक और भावनात्मक स्थिति पर असल में क्या असर डालते हैं।' अविका ने आगे बताया कि फिल्म में रिश्ते को महिमामंडित करने के बजाय उसके दर्दनाक नतीजों पर ध्यान दिया गया है। फिल्म में दर्शकों को वह बेचैनी, उलझन और नुकसान साफ महसूस होगा जो एक खराब रिश्ते से उपजता है। एक कलाकार के तौर पर मेरी जिम्मेदारी दर्शकों के सामने ईमानदारी से कहानी रखने की है। 'अगली स्टोरी' दर्शकों से झूठ नहीं बोलती, बल्कि एक कड़वी सच्चाई को गहराई से दिखाती है।

एक्शन और भावनाओं से भरपूर इंस्पेक्टर अविनाश 2 एक जबरदस्त सफर है

अभिनेता रणदीप हुड्डा अपकमिंग वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' को लेकर बेहद उत्साहित हैं। रणदीप हुड्डा एक बार फिर से इंस्पेक्टर अविनाश का किरदार निभाते नजर आएंगे। अभिनेता ने हिंट देते हुए बताया कि एक्शन और भावनाओं से भरपूर 'इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' एक जबरदस्त सफर है और इस बार यह और भी मजेदार होने वाला है। रणदीप हुड्डा ने बताया, 'इस सीजन में अविनाश अपने असली और दमदार रूप में सामने आने के लिए तैयार है। वह अब सिर्फ जुर्म से नहीं लड़ रहा, बल्कि अपने परिवार, अपनी सच्चाई और अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहा है। इसका दायरा बड़ा है, एक्शन बिल्कुल असली है और भावनाएं कहीं ज्यादा गहरी हैं। यह एक कहीं ज्यादा जबरदस्त सफर है।' अभिनेत्री उर्वशी रौतेला इस सीजन में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। उन्होंने शो की तारीफ करते हुए कहा, ''इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' पहले से कहीं ज्यादा बड़ा, बेबाक और धमाकेदार है। एक्शन, भावनाएं और ट्विस्ट से भरी इस कहानी का हिस्सा बनना शानदार अनुभव रहा है। हर सीन अपनी अलग और खास अंदाज के साथ अलग स्तर पर ले जाता है। जियो हॉटस्टार के साथ जुड़ना बहुत अच्छा रहा। दर्शक जिस रोमांच और ड्रामा का इंतजार कर रहे हैं, उसे हमने मिलकर तैयार किया है।'

निर्देशक नीरज पाठक ने सीजन 2 की खासियत बताते हुए कहा, 'हमने पहले सीजन की सभी पसंदीदा चीजों को इसमें शामिल किया है और उन्हें ज्यादा धमाल मचाने के माहौल में पेश किया है। अविनाश अब सिर्फ अपराधियों से नहीं, बल्कि एक ऐसे सिस्टम से भी लड़ रहा है जो उसके आसपास ढह रहा है। हमने एक्शन को बढ़ाया ही है, साथ ही भावनात्मक संघर्ष को भी और गहरा कर दिया है। इस बार लड़ाई जितनी बाहरी है, उतनी ही निजी भी है।' यह क्राइम थ्रिलर 1990 के दशक के उत्तर प्रदेश के अशांत माहौल पर आधारित है। कहानी में इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा खुद को एक ऐसे तूफान में फंसा पाते हैं जो निजी और राजनीतिक दोनों स्तर पर उनका जीवन बदल देता है। बेटे के मर्डर केस में फंसने और शादी टूटने की कगार पर पहुंचने के बाद अविनाश को अपनी सबसे मुश्किल लड़ाई लड़नी पड़ती है।

सीजन 2 में रणदीप हुड्डा और उर्वशी रौतेला के साथ अमित सियाल, अभिमन्यु सिंह, रजनीश दुग्गल, शालिन भनोट और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जियो स्टूडियोज के प्रस्तुत इस सीरीज को ज्योति देशपांडे, नीरज पाठक, गोल्ड माउंटेन पिक्चर्स और कृष्ण चौधरी ने प्रोड्यूस किया है। कहानी नीरज पाठक, संजय मासूम और समीर अरोड़ा ने लिखी है। 'इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' 15 मई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज को तैयार है।

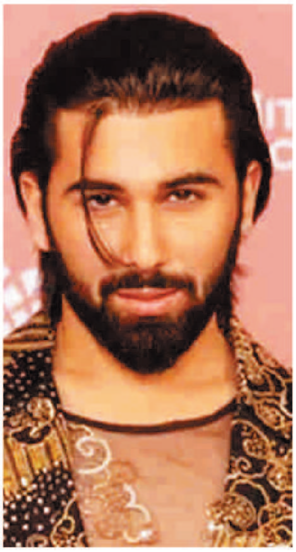

खतरों के खिलाड़ी में अपनी इमेज बदलने निकले ओरी

इंटरनेट सेंसेशन, बॉलीवुड पार्टियों के परमानेंट गेस्ट और सोशल मीडिया के सबसे रहस्यमयी चेहरों में शामिल ओरी अब 'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आएंगे। लेकिन शो से पहले उन्होंने बातचीत में साफ कह दिया कि लोग उन्हें जितना पार्टी बॉय समझते हैं, वे उससे कहीं ज्यादा हैं।

इंटरनेट वाला ओरी और असली जिंदगी वाला ओरी अलग नहीं है

ओरी का कहना है कि लोग अक्सर सोचते हैं कि सोशल मीडिया वाला ओरी सिर्फ कैमरों के लिए बनाया गया एक कैरेक्टर है। लेकिन उनके मुताबिक ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ एक ही ओरी है। लोग सोचते हैं कि इंटरनेट वाला ओरी और असली जिंदगी वाला ओरी अलग होंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। मैं नकली रूप बनाकर नहीं जीता। लेकिन हां, यह पहली बार है जब मैं इतने लंबे फॉर्मेट में लोगों के सामने रहूंगा। इसलिए सच कहूं तो मैं खुद भी उत्साहित हूं यह देखने के लिए कि दबाव, डर और मुश्किल हालात में मेरा कौन सा रूप बाहर आता है। शायद लोग पहली बार मुझे ग्लैमर और फिल्टर्स के बिना देखेंगे'।

उम्मीद है कि रोहित को भी मेरी वाइब पसंद आए

अपने कॉन्फिडेंस को लेकर ओरी बिल्कुल भी पीछे नहीं हटे। उनका कहना है कि उनके बारे में हर चीज अपने आप में एंटरटेनमेंट है। 'मुझे सच में लगता है कि मेरे बारे में हर चीज एंटरटेनिंग है। चाहे मेरी एनर्जी हो, मेरी पर्सनैलिटी हो, मेरा बोलने का तरीका हो या मेरे रिएक्शंस... लोग मुझे नजरअंदाज नहीं कर सकते। शायद यही वजह है कि बिना कुछ समझाए भी लोग लगातार मेरे बारे में बात करते रहते हैं। बस उम्मीद है कि रोहित शेट्टी को भी मेरी वाइब पसंद आए।'

लोगों ने मुझे इंटरनेट कैरेक्टर बना दिया

अपनी वायरल इमेज को लेकर ओरी ने बेहद विवादित बयान दिया। उनका कहना है कि लोगों ने उनके बारे में जो धारणा बना ली है। वह उनकी खुद की बनाई हुई नहीं है। 'लोगों ने मेरी यह इमेज बनाई है। लोगों ने मुझे मिस्ट्री बॉय बना दिया, सेलिब्रिटी बेस्ट फ्रेंड बना दिया, इंटरनेट कैरेक्टर बना दिया। लेकिन मैंने कभी खुद को उस तरह पेश नहीं किया। मजेदार बात यह है कि लोग पहले आपको एक कैरेक्टर बनाते हैं...फिर उसी कैरेक्टर को जज भी करने लगते हैं। अगर ऑडियंस अब मेरा कोई दूसरा साइड देखेंगे, तो मुझे उससे कोई दिक्कत नहीं है, क्योंकि वह इमेज उनकी बनाई हुई थी, मेरी नहीं।'

लोगों ने मान लिया कि मैं मानसिक रूप से मजबूत नहीं हो सकता

जब ओरी से पूछा गया कि वह इस शो के जरिए लोगों की कौन सी राय बदलना चाहते हैं। तो उन्होंने कहा, 'लोग सोचते हैं कि मैं कमजोर हूं। सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं ग्लैमरस लाइफ जीता हूं, पार्टियों में दिखता हूं, लक्जरी पसंद करता हूं..., लोगों ने मान लिया कि मैं मानसिक रूप से मजबूत नहीं हो सकता। लेकिन ताकत सिर्फ मसल्स या गुस्से में नहीं होती। कभी-कभी सबसे मजबूत लोग वही होते हैं जो दबाव में भी खुद को खोते नहीं हैं। और शायद खतरों के खिलाड़ी में लोग पहली बार वो देखेंगे।'

मैं सिर्फ वायरल नहीं हूं... खिलाड़ी भी हूं

शो साइन करने की वजह बताते हुए ओरी ने कहा कि वह सिर्फ एक और कंटेस्टेंट बनने नहीं आए हैं। 'मैंने खतरों के खिलाड़ी सिर्फ एक और कंटेस्टेंट बनने के लिए साइन नहीं किया। मैंने यह शो इसलिए किया क्योंकि मैं दुनिया को दिखाना चाहता हूं कि मैं सिर्फ वायरल नहीं हूं। मैं खिलाड़ी भी हूं।'

मुझे रेप्टाइल्स से नहीं... हारने से डर लगता है

आखिर में जब ओरी से पूछा गया कि उन्हें सबसे ज्यादा डर किस चीज से लगता है, तो उनका जवाब बेहद सीधा था। 'मुझे रेप्टाइल्स से डर नहीं लगता। मुझे खतरनाक स्टंट्स से डर नहीं लगता। लेकिन हां... मुझे हारना पसंद नहीं है, क्योंकि एक बार अगर लोगों को लगने लगे कि आप हार गए हो, तो वो आपको गंभीरता से लेना बंद कर देते हैं। और मैं कभी वो इंसान नहीं बनना चाहता।'

राजनांदगांव : स्कूलों के लघु मरम्मत के 23 कार्य स्वीकृत, 1.15 करोड़ डीएमएफ से खर्च होंगे

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के प्रयास से मिली मंजूरी, जनता ने जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र के विद्यालयों में लघु मरम्मत और जीर्णोद्धार के 23 कार्यों को स्वीकृति मिल गई है। विधानसभा अध्यक्ष और राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह के प्रयास से ये कार्य डीएमएफ मद से होंगे। कुल 1 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से कार्य पूरे किए जाएंगे।

कहां-कहां होंगे काम

स्वीकृत कार्यों में 10 अतिरिक्त कक्ष, 8 सुलभ शौचालय, 3 किचन शेड और 2 साइकिल स्टैंड का निर्माण शामिल है। प्रत्येक कार्य के लिए 5 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। ये कार्य पनेका, बम्हनी, धनगांव, सोमनी, सुरगी, कुम्हालोरी, बैगाटोला, भोथीपार खुर्द, बिरेझर, भरेगांव, मोखला, धर्मापुर, बुचीभरदा, लिटिया, बरगाही, खुटेरी और डिलापहरी के स्कूलों में होंगे।

'बेहतर परिवेश में पढ़ सकेंगे विद्यार्थी': डॉ. रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मरम्मत कार्य पूरे होने से ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों की सुविधा बढ़ेगी। विद्यार्थी बेहतर परिवेश में शिक्षा ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार में सभी वर्गों का चहुंमुखी विकास हो रहा है। कार्यों की स्वीकृति पर राजनांदगांव की जनता ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधायक डॉ. रमन सिंह का आभार जताया है।

एकलव्य आवासीय विद्यालय का सीबीएसई 12वीं में शत-प्रतिशत रिजल्ट, देविका बनी टॉपर

राजनांदगांव। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 12वीं परीक्षा में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। विद्यालय के सभी 55 विद्यार्थी विज्ञान और कला संकाय से परीक्षा में सफल हुए। देविका ने 91.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।

विद्यालय के कुल 55 परीक्षार्थियों में से 54 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सुश्री दीक्षा गुप्ता ने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य मनीष कुमार ने बताया कि गत वर्ष भी विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा था। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अध्यापकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग से मिली है।

खास खबर

ऑक्सीजन जोन से जब्त 54 ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत वापस शिवनाथ नदी में डाली गई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

अवैध भंडारण पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, पर्यावरण संरक्षण की पहल

जिला प्रशासन ने ऑक्सीजन जोन की सुंदरता और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए बड़ी कार्रवाई की है। शिवनाथ नदी तट पर अवैध रूप से भंडारित 54 ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत को शुक्रवार को वापस नदी में डाल दिया गया। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर खनिज विभाग ने यह कार्रवाई सरपंच भंवरमारा, वार्ड 51 हरदी के पार्षद और ग्राम प्रमुखों की मौजूदगी में की।

लोडर और दो ट्रैक्टर-ट्रॉली पहले हुए थे जब्त

कुछ दिन पहले खनिज एवं राजस्व विभाग ने ऑक्सीजन जोन स्थित शिवनाथ नदी क्षेत्र में छापा मारा था। कार्रवाई में दो ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक लोडर वाहन जब्त किया गया था। जांच में सामने आया कि भंवरमारा निवासी अविनाश सोनी ने शिवनाथ नदी से अवैध उत्खनन कर रेत का भंडारण किया था।

प्राकृतिक सौंदर्य बरकरार रखने की पहल

प्रशासन ने अवैध रूप से जमा लगभग 54 ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत को वापस नदी में डाल दिया, ताकि ऑक्सीजन जोन का प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यावरणीय संतुलन बना रहे। जिला प्रशासन ने साफ किया है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। अवैध खनन, परिवहन और भंडारण में लिप्त लोगों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मानसिक रूप से विक्षिप्त रोगी को भेजा गया मानसिक चिकित्सालय

कवर्धा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा चलाये जा रहे, नालसा कि विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के तारतम्य में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष कु. संघरत्ना भतपहरी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कबीरधाम अमन तिग्गा के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कबीरधाम अन्तर्गत संचालित प्रबंध कार्यालय में आवेदक हरिश कुमार साहू, अध्यक्ष नयी चमक रक्तदान एवं जनकल्याण समिति, ग्राम खैरबना कला, जिला कबीरधाम द्वारा प्रबंध कार्यालय के समक्ष उपस्थित होकर मानसिक रूप से विक्षिप्त रोगी का समुचित ईलाज के लिए निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता चाही गई थी।

जिसके संबंध में प्रबंध कार्यालय में कार्यरत प्रतिधारक अधिवक्ता केपी तिवारी द्वारा अग्रिम कार्यवाही सम्पादित करते हुए आवेदक को थाना कोतवाली कवर्धा में लिखित सूचना दिये जाने के लिए आवेदन पत्र वास्ते मानसिक रूप से विक्षिप्त के ईलाज के लिए समुचित कार्यवाही हेतु थाना कवर्धा के नाम से आवेदन, सूचना पत्र तैयार कर पेश करने के लिए दिया गया था। तत्पश्चात थाना प्रभारी द्वारा सूचना प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही करते हुए उक्त मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति को न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कवर्धा के समक्ष पेश किया गया था। न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कवर्धा द्वारा उक्त मानसिक रोगी को ईलाज हेतु राज्य मानसिक चिकित्सालय सेन्दरी बिलासपुर भेजे जाने हेतु आदेशित किया गया। तदउपरांत उक्त मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति को राज्य मानसिक चिकित्सालय सेन्दरी बिलासपुर में भर्ती कराया गया। उक्त कार्य में सचिव मन तिग्गा एवं पी.एल.व्हीगण का सहयोग रहा।

मनरेगा की डबरी से बदली किस्मत : हसदा के किसान जयलाल बैसाखु बने आत्मनिर्भर

मछली, बत्तख और मुर्गी पालन के एकीकृत मॉडल से सालाना लाखों की आय

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले के जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत हसदा के किसान श्री जयलाल बैसाखु ने मेहनत, नवाचार और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से अपनी जिंदगी की तस्वीर बदल दी है। कभी बंजर और सूखे पड़े खेत में आज समृद्धि की हरियाली लहलहा रही है। निजी भूमि पर निर्मित डबरी ने न केवल उनकी खेती को नया जीवन दिया, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर किसान के रूप में पहचान भी दिलाई है।

जयलाल बैसाखु के पास लगभग 2 एकड़ भूमि थी, जो ऊंचाई पर स्थित होने के कारण बारिश का पानी नहीं रोक पाती थी। खरीफ सीजन में धान की फसल भी मुश्किल से तैयार होती थी और परिवार का भरण-पोषण करना चुनौती बना हुआ था। इसी दौरान उन्हें ग्राम रोजगार सहायक से मनरेगा के तहत निजी भूमि पर डबरी निर्माण योजना की जानकारी मिली। उन्होंने तत्काल आवेदन किया, जिसके बाद पंचायत के तकनीकी सहायक द्वारा स्थल निरीक्षण कर डबरी निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई।

मनरेगा के अंतर्गत डबरी निर्माण कार्य शुरू हुआ, जिसमें स्वयं जयलाल और उनके परिवार के सदस्यों ने श्रमिक के रूप में कार्य किया। इससे उन्हें मजदूरी भी प्राप्त हुई और खेत में लगभग 10 फीट गहरी डबरी तैयार हो गई। बारिश के मौसम में डबरी पानी से भर गई और यही पानी उनके जीवन में नई उम्मीद लेकर आया। पानी उपलब्ध होने के बाद जयलाल ने परंपरागत खेती के बजाय एकीकृत कृषि मॉडल अपनाया। उन्होंने डबरी में रोहू, कतला और मृगल जैसी मछलियों का पालन शुरू किया। पहली ही खेप में लगभग 12 क्विंटल मछली उत्पादन हुआ, जिससे उन्हें लाखों रुपये की आय प्राप्त हुई। इसके साथ ही उन्होंने डबरी में बत्तख पालन भी शुरू किया।

बत्तखों का मल मछलियों के लिए प्राकृतिक आहार बन गया, जिससे दाने का खर्च कम हुआ और बत्तखों की बिक्री से नियमित अतिरिक्त आय मिलने लगी। इतना ही नहीं, डबरी की मेड़ को चौड़ा कर वहां 200 देशी एवं कड़कनाथ मुर्गियों के लिए शेड तैयार किया गया। मुर्गियों की बीट डबरी में गिरकर मछलियों के लिए भोजन का कार्य करती है, वहीं मेड़ों पर उगाई गई सब्जियों के लिए जैविक खाद के रूप में उपयोग होती है। इस समन्वित मॉडल ने खेती, पशुपालन और मत्स्य पालन को एक साथ जोड़कर आय के कई स्रोत तैयार कर दिए।

डबरी के पानी से अब जयलाल सालभर खेती कर रहे हैं। पहले जहां केवल एक फसल मुश्किल से होती थी, वहीं अब धान, गेहूं और मौसमी सब्जियों सहित वर्ष में तीन फसलें ली जा रही हैं। इससे अतिरिक्त आय भी सुनिश्चित हो रही है। जयलाल बैसाखु की कुल वार्षिक आय लगभग 4.70 लाख से अधिक पहुंच चुकी है। मछली पालन, बत्तख पालन, कड़कनाथ मुर्गी पालन और खेती से होने वाली आमदनी ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है।

इतना ही नहीं, वे गांव के अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। अपनी सफलता के बारे में जयलाल कहते हैं, पहले सालभर में 50 हजार रुपये कमाना भी मुश्किल था। मनरेगा से बनी डबरी ने मेरी जिंदगी बदल दी। अब मैं खुद आत्मनिर्भर हूं और दूसरों को भी रोजगार दे रहा हूं। अधिकारी इसे इंटीग्रेटेड फार्मिंग कहते हैं, लेकिन मैंने तो सिर्फ मेहनत और सही योजना पर भरोसा किया।

जयलाल का यह मॉडल जिले के अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन चुका है। मनरेगा, पशुपालन और मत्स्य पालन विभाग के अभिसरण से तैयार यह मॉडल किसानों की आय बढ़ाने में बेहद प्रभावी साबित हो रहा है। जयलाल बैसाखु की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि यदि जल संरक्षण और संसाधनों का सही उपयोग किया जाए, तो सूखी जमीन भी समृद्धि की नई कहानी लिख सकती है। उनका संदेश आज गांव-गांव में प्रेरणा बन रहा है- पानी रोक लो, पैसा खुद-ब-खुद आएगा।

समाधान शिविर, विधायक ईश्वर साहू ने हितग्राहियों को सौंपी खुशियों की चाबी

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिला बेमेतरा के जनपद पंचायत साजा अंतर्गत ग्राम पंचायत ठेलका में सुशासन तिहार 2026 के तहत जन समस्या निवारण शिविर एवं संवाद से पूर्ण समाधान कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक श्री ईश्वर साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

शिविर का उद्देश्य शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना, ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान करना तथा प्रशासन और आमजन के बीच संवाद को मजबूत बनाना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया।

प्रशासनिक सुगमता एवं अधिक से अधिक ग्रामीणों तक पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन क्लस्टर मॉडल के तहत किया गया। इस क्लस्टर में ग्राम पंचायत ठेलका सहित बेलतरा, बेलगांव, भेड़रवानी, चिल्फी, सोमईकला, संबलपुर, सोमईखुर्द, बरगड़ा, धौराभाटा, भरदा, मुसुवाडीह, भनौरा, लालपुर एवं चीजगांव सहित कुल 15 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया। शिविर में जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित निराकरण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की।

विधायक ईश्वर साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अपने पक्के मकान का निर्माण पूर्ण कर चुके चयनित हितग्राहियों को खुशियों की चाबी के रूप में प्रतीकात्मक चाबी भेंट की। वर्षों से पक्के घर का सपना संजोए परिवारों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। विधायक श्री साहू ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार गरीब परिवारों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और हर पात्र परिवार को आवास उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने हितग्राहियों को नए घर के लिए शुभकामनाएं भी दीं। शिविर में ग्रामीणों को आवास प्लस 2.0 सर्वे के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। विधायक ईश्वर साहू ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जिन पात्र परिवारों का सर्वे पूरा हो चुका है, उन्हें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। शासन द्वारा जल्द ही नई गाइडलाइन जारी कर सर्वेक्षित पात्र परिवारों को योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का चार दिवसीय आंदोलन आज से

पेट्रोल पंप, किराना और सराफा बाजार में होगा प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर भी चलाएंगे मुहिम : रूपेश दुबे

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

पेट्रोल-डीजल, खाद्य सामग्री और जरूरी वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेस 17 मई से चार दिवसीय प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रूपेश दुबे ने बताया कि जिला और ब्लॉक मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन कर केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध किया जाएगा।

चार दिन, चार मुद्दों पर प्रदर्शन

17 मई: पेट्रोल-डीजल के बढ़े दामों के खिलाफ पेट्रोल पंपों के सामने बैनर-तख्ती लेकर प्रदर्शन। जनता से संवाद कर कीमतें वापस लेने की मांग की जाएगी।

18 मई: खाद्य तेल और राशन सामग्री की महंगाई को लेकर किराना बाजारों में प्रदर्शन। किराना व्यापारियों से चर्चा होगी।

19 मई: सोने की खरीदी पर रोक से ठप सराफा कारोबार और कारीगरों की रोजी-रोटी के संकट पर सराफा बाजारों में प्रदर्शन। व्यापारियों और जनता से संवाद के वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए जाएंगे।

20 मई: सोशल मीडिया पर महंगाई के खिलाफ अभियान। पेट्रोल-डीजल, सराफा और किराना की महंगाई से जुड़े वीडियो फेसबुक, इंस्टाग्राम समेत अन्य प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर प्रचार किया जाएगा।

जनविरोधी नीतियों से जनता त्रस्त : दीपक बैज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार की गलत नीतियों से पेट्रोल-डीजल, खाद्य सामग्री और सोना-चांदी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इससे मध्यम वर्ग, किसान, मजदूर, व्यापारी और आम नागरिक आर्थिक संकट झेल रहे हैं। जरूरी वस्तुओं के दाम बढ़ने से जनता में आक्रोश है। कांग्रेस आंदोलनों के जरिए जनविरोधी नीतियों का विरोध कर जनसंवाद कर रही है।

शिक्षा की नई सौगात, उप मुख्यमंत्री शर्मा ने सिंघारी में 50 सीटर छात्रावास भवन का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड के बैगा बाहुल्य ग्राम सिंघारी में विशेष पिछड़ी जनजाति के विद्यार्थियों के लिए प्रस्तावित 50 सीटर छात्रावास भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। लगभग 1 करोड़ 82 लाख रुपए की लागत से बनने वाला यह छात्रावास क्षेत्र के विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा के साथ बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराएगा।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले विशेष पिछड़ी जनजातियों के बच्चों तक शिक्षा की सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत विकास का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और क्षेत्र की प्रगति का आधार भी है। ऐसे क्षेत्रों में छात्रावासों की सुविधा मिलने से विद्यार्थियों की पढ़ाई नियमित होगी और उन्हें बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

श्री शर्मा ने कहा कि बैगा समाज प्रदेश की सांस्कृतिक परंपरा और पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और वन क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को भी शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आधारभूत सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि कई बार दूरस्थ गांवों के बच्चों को स्कूल और आवास की कठिनाइयों के कारण पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ती है, लेकिन छात्रावास बनने से विद्यार्थियों को सुरक्षित वातावरण और आवश्यक सुविधाएं मिल सकेंगी।

उन्होंने कहा कि सरकार जनजातीय अंचलों में अधोसंरचना विकास, सड़क, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर विशेष प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। कार्यक्रम में कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जनपद अध्यक्ष श्रीमती बालका राम किंकर वर्मा, उपाध्यक्ष जिला पंचायत कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत नंद श्रीवास, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रूपा राजकुमार धुर्वे, लोकचंद साहू, मनीराम साहू, कलेक्टर गोपाल वर्मा, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि और विभागों के अधिकारी व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी हुआ गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, एसडीओपी बेरला विनय कुमार के मार्गदर्शन में अपराध एवं अवैध गतिविधियों पर लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में 15 मई 2026 को साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, थाना प्रभारी साजा निरीक्षक रोशन लाल टोन्डे एवं साइबर सेल व थाना साजा पुलिस टीम ने मादक पदार्थों की अवैध बिक्री में संलिप्त पर कार्रवाई तेज करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 24 हजार रूपये से भी अधिक की 01 किलो 880 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा को जप्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

वहीं थाना साजा को जरिये मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम खैरी का एक व्यक्ति अपने घर में अवैध रूप से बिक्री हेतु मादक पदार्थ गांजा रखा है कि सूचना पर, उक्त सूचना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराया गया। वरिष्ठ अधिकारियो के मार्गदर्शन में पुलिस टीम द्वारा सूचना के अधार पर आरोपी हेमराम वर्मा का घर, ग्राम खैरी पहुंच कर अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ पकड़ा गया।

आरोपी हेमराम वर्मा पिता गजराज वर्मा उम्र 38 वर्ष, निवासी खैरी थाना साजा जिला बेमेतरा के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा 01 किलो 880 ग्राम कीमती करीबन 24,000 रूपये को जप्त किया गया है। जिसमें अवैध मादक पदार्थ गांजा का 01 प्रकरण दर्ज कर 01 आरोपी के विरूद्ध धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

इस संपूर्ण कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, थाना प्रभारी साजा निरीक्षक रोशन लाल टोन्डे, सउनि बनवाली राम सोनकर, प्रधान आरक्षक विजेन्द्र सिंह, पवन सिंह, साइबर सेल आरक्षक संजय पाटिल, नुरेश वर्मा, संतोष धीवर थाना साजा से आरक्षक अर्जुन ध्रुवे एवं अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जैतखाम समाज की आस्था का केन्द्र : मंत्री गजेन्द्र यादव

वार्ड 22 में 19 .88 लाख से बनेगा सतनाम भवन, मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग विधानसभा के वार्ड क्रमांक 22 में सतनाम भवन, जैतखाम जीर्णोद्धार और मंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन शुक्रवार को केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया। समाजजनों के साथ विधिवत पूजा-अचर्ना कर उन्होंने 19.88 लाख की लागत से बनने वाले कार्यो का शुभारंभ किया।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि जैतखाम सतनामी समाज की पहचान और श्रद्धा का केंद्र है। इसके जीर्णोद्धार और सतनाम भवन निर्माण से समाजजनों को सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। यह निर्माण कार्य समाज की आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक बनेगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार सभी समाजों के विकास के लिए काम कर रही है। दुर्ग विधानसभा में जैतखाम, सामुदायिक भवन और अन्य जनहित के कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं।

योजनाओं का लाभ लेने की अपील

मंत्री यादव ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों से लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार गरीब, किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं के हित में लगातार काम कर रही है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया।

पंथी नृत्य ने मोहा मन

कार्यक्रम में समाज के बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में पंथी नृत्य प्रस्तुत किया। मनमोहक प्रस्तुति से माहौल भक्तिमय हो गया। मंत्री ने बच्चों की सराहना कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

भूमिपूजन में जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, सभापति श्याम शर्मा, मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, बंटी चौहान, कमलेश फेकर, कांशीराम कोसरे, भाजयुमो अध्यक्ष हिमांशु सिंह, पार्षदगण, समाजजन और बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे।

बीराजी के अंगना में माताओं-बहनों ने की वट सावित्री व्रत की पूजा-अर्चना

अखंड सौभाग्य और पति की दीर्घायु के लिए वट वृक्ष की परिक्रमा, सुख-समृद्धि की कामना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कोहका स्थित बीराजी के अंगना में शुक्रवार को स्थानीय माताओं-बहनों ने श्रद्धा और आस्था के साथ वट सावित्री व्रत का पूजन किया। भारतीय संस्कृति में यह व्रत अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

वट वृक्ष की पूजा कर मांगा आशीर्वाद

इस पावन अवसर पर व्रतधारी महिलाओं ने वट वृक्ष की विधिवत पूजा-अचर्ना की। धागा लपेटकर परिक्रमा करते हुए माताओं-बहनों ने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना की। पूजन के दौरान पूरा माहौल भक्तिमय रहा।

खैरागढ़ में डेढ़ दिन से सूखे कुएं में गिरे बछड़े को पुलिस ने बचाया

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

शहर के धनेली वार्ड में डेढ़ दिन से सूखे कुएं में गिरे बछड़े को खैरागढ़ पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाला। थाना खैरागढ़ में पदस्थ आरक्षक धनेश्वर ठाकुर ने साहस दिखाते हुए खुद कुएं में उतरकर रस्सी और साड़ी की मदद से बछड़े को बाहर निकाला।

शुक्रवार को ग्रामीणों ने डायल 112 पर सूचना दी कि एक बछड़ा सूखे कुएं में गिरा हुआ है। सूचना मिलते ही आरक्षक क्रमांक 126 धनेश्वर ठाकुर तत्काल मौके पर पहुंचे। स्थिति गंभीर होने के बावजूद उन्होंने मानवता का परिचय दिया और कुएं में उतर गए। ग्रामीणों के सहयोग से उचित व्यवस्था बनाकर बछड़े को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

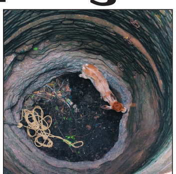

आरक्षक धनेश्वर ठाकुर कुएं में उतरे, रस्सी-साड़ी से बनाई व्यवस्था, ग्रामीणों ने की सराहना

आरक्षक की इस त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई की ग्रामीणों ने सराहना की। खैरागढ़ पुलिस आमजन के साथ बेजुबान पशुओं की सुरक्षा और सहायता के लिए भी लगातार संवेदनशीलता से काम कर रही है।

मोबाइल टावर से कॉपर केबल चुराने वाला गिरोह पकड़ा, 4 गिरफ्तार

एक नाबालिग भी शामिल, स्कूटी और केबल काटने के औजार जब्त

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

ग्रामीण इलाकों में सुनसान जगहों पर लगे मोबाइल टावरों से कॉपर केबल चुराने वाले शातिर गिरोह का दुर्ग पुलिस ने पर्दाफाश किया है। थाना उतई और चौकी मचांदुर की संयुक्त टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है। आरोपियों से घटना में इस्तेमाल स्कूटी, केबल काटने का औजार और चोरी का कॉपर केबल बरामद हुआ है।

तीन गांवों में की थी चोरी

पुरुषोत्तम जायसवाल निवासी शिवनगर दुर्ग और कृपाशंकर तिवारी निवासी न्यू आदर्श नगर पद्मनाभपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि ग्राम मचांदुर, घुघसीडीह और पतोरा के मोबाइल टावरों से अज्ञात लोगों ने कॉपर केबल चुरा ली है। पुलिस ने अपराध क्रमांक 247/2026, 248/2026 एवं 249/2026 धारा 303(2), 3(5), 111 बीएनएस के तहत केस दर्ज किया।

जांच में साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर संदेहियों को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने 13-14 मई की रात मचांदुर, घुघसीडीह और पतोरा में रेकी कर टावरों से केबल चुराना कबूल किया। चोरी का माल बेचकर मिली रकम को आपस में बांट लिया और रोजमर्रा के खर्च में उड़ा दिया।

आर्थिक लाभ के लिए करते थे चोरी

गिरफ्तार आरोपियों में सन्नी गुप्ता, नेवई बस्ती; मिलन कुमार निर्मलकर और किशन यादव, सूर्य नगर स्टेशन मरौदा; अरुण खुटेल, विजय चौक स्टेशन मरौदा शामिल हैं। सभी की उम्र 19 साल है। एक विधि से संघर्षरत बालक भी पकड़ा गया है। सभी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर दुपहिया स्कूटी, केबल कटर और चोरी का कॉपर वायर जब्त किया है। कार्रवाई में निरीक्षक महेश ध्रुव, उप निरीक्षक प्रमोद सिन्हा, सहायक उप निरीक्षक नेमन साहू, प्रधान आरक्षक अभिषेक पाण्डेय और आरक्षक बच्ची यादव की अहम भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

2 किलो से ज्यादा गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सिटी कोतवाली पुलिस ने अवैध गांजा बिक्री के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। नयापारा चौक पर वाहन चेकिंग के दौरान एक आरोपी को 2 किलो 176 ग्राम गांजे के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में मिले इनपुट पर दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों के पास से गांजा, मोबाइल और धारदार हथियार समेत 1 लाख 10 हजार 300 रुपये का सामान जब्त किया गया है।

22 अप्रैल को थाना सिटी कोतवाली पुलिस नयापारा चौक पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया। उसके सफेद प्लास्टिक बैग की तलाशी में तीन पैकेट में 2 किलो 176 ग्राम गांजा, एक धारदार हथियार और वन प्लस मोबाइल मिला। जब्त गांजे की कीमत करीब 1,08,800 रुपये आंकी गई है।

पूछताछ में आरोपी ने गांजा बिक्री के लिए ले जाना कबूल किया। थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 207/2026 धारा 20(ख), 27(क) एनडीपीएस एक्ट एवं 25 आयुध अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया। आरोपी के मेमोरेंडम के आधार पर दूसरे आरोपी दिनेश ठाकुर को भी पकड़ा गया। उसने भी अपराध स्वीकार किया। दोनों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

गिरफ्तार आरोपी में उमेश यादव उर्फ दादू, 20 साल, निवासी शिवपारा सात इमली पेड़ के पास, दुर्ग और दिनेश ठाकुर, 23 साल, निवासी चंडी मंदिर के पास शिवपारा, दुर्ग शामिल हैं। ये हुआ जब्त : 2 किलो 176 ग्राम गांजा - 1,08,800 रुपये, वन प्लस मोबाइल - 1,000 रुपये, धारदार हथियार - 500 रुपये है।

बीजाभाठा में अवैध मुरुम उत्खनन, जेसीबी समेत दो हाईवा जब्त

राजनांदगांव। डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम बीजाभाठा में अवैध मुरुम उत्खनन पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक जेसीबी मशीन और दो हाईवा वाहन जब्त किए हैं। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। **शिकायत मिलते ही पहुंची टीम :** ग्राम बीजाभाठा में अवैध मुरुम उत्खनन की शिकायत मिलने पर राजस्व विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। जांच में अवैध रूप से मुरुम उत्खनन होना पाया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए मौके से 1 जेसीबी और 2 हाईवा जब्त कर लिए। जब्त वाहनों को आगे की कार्रवाई के लिए थाना डोंगरगांव के सुपुर्द कर दिया गया है। **सतत निगराने के निर्देश :** जिला प्रशासन ने कहा है कि अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण में लिप्त लोगों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। कलेक्टर ने अधिकारियों को अवैध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने और शिकायत मिलते ही तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

संयुक्त समिति गठन पर बनी सहमति, एमपी-सीजी के व्यापार को मिलेगी एक नई दिशा : अजय भसीन

व्यापारी हितों के लिए एकजुट हुए छत्तीसगढ़ और महाकौशल चेम्बर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और महाकौशल चेम्बर ने व्यापारिक सहयोग बढ़ाने और दोनों राज्यों की योजनाओं को समान धरातल पर लाने के लिए संयुक्त समिति बनाने पर सहमति जताई है। भिलाई में हुई बैठक में छत्तीसगढ़ चेम्बर के महामंत्री अजय भसीन और महाकौशल चेम्बर के अध्यक्ष रवि गुप्ता शामिल हुए।

संयुक्त समिति से होगा योजनाओं का क्रियान्वयन

अजय भसीन ने बताया कि बैठक में चर्चा हुई कि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकारों की योजनाओं को एक साथ लागू करने के लिए संयुक्त समिति बनाई जाए। इसका उद्देश्य व्यापारियों और उद्योगपतियों को एकजुट कर उनके हितों की रक्षा करना और क्षेत्रीय व्यापार को नई दिशा देना है।

महाकौशल चेम्बर के पदाधिकारियों ने इस पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पहले भी दोनों राज्य मिलकर व्यापारिक गतिविधियां आगे बढ़ाते रहे हैं। अब फिर से सहयोग मजबूत करने की जरूरत है ताकि एमपी-सीजी के व्यापारी वर्ग को लाभ मिले।

छग आएंगे महाकौशल चेम्बर के पदाधिकारी

बैठक में तय हुआ कि जल्द ही महाकौशल चेम्बर के अध्यक्ष और महामंत्री छत्तीसगढ़ प्रवास पर आएंगे। छत्तीसगढ़ चेम्बर ने उन्हें आमंत्रित किया है। वे यहां होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। दोनों चेम्बरों ने कहा कि व्यापारिक हितों की रक्षा और विकास के लिए एकजुट होना जरूरी है। इस पहल से व्यापारियों को फायदा होगा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100